संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 74 मंगलवार 14 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

लोहड़ी कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली,13 जनवरी 2025 (ए)। लोहड़ी का कई लोगों के लिए विशेष महत्व है, खासकर उत्तरी भारत के लोगों के लिए। यह नवीनीकरण और आशा का प्रतीक है। यह कृषि और हमारे मेहनती किसानों से भी जुड़ा हुआ है। आज शाम, मुझे दिल्ली के नारायणा में एक कार्यक्रम में लोहड़ी मनाने का अवसर मिला। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं ने इस उत्सव में हिस्सा लिया। सभी को लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएं।

योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

सीएम को दी थी ये चुनौती

बरेली,13 जनवरी 2025 (ए)। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में अभद्र टिप्पणी करने और उन्हें धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आरोपी व्यक्ति को जेल भेज दिया गया।

नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

चार आरोपी गिरफ्तार

मुंबई,13 जनवरी 2025 (ए)। मुंबई पुलिस ने सोमवार को नकली नोट छापने और बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रयागराज महाकुंभ का हुआ शुभारंभ

» 60 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

» गूगल पर महाकुंभ लिखते ही फूलों की बौछार

प्रयागराज,13 जनवरी 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोमवार (13 जनवरी) से महाकुंभ 2025 का आगाज हो चुका है। सुबह सवेरे शाही स्नान के साथ इसकी शुरुआत हुई। गंगा, यमुना और कल्पित सरस्वती के संगम पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। सुबह 8 बजे तक 60 लोगों ने संगम में डुबकियां लगाई। गूगल ने कुंभ मेला पर एक खास फीचर पेश किया है। महाकुंभ टाइप करते ही स्क्रीन पर गुलाब के पंखुरियों की बारिश होने लगती है। बड़ी संख्या में विदेशी श्रद्धालु भी कुंभ में पहुंचे हैं।

सबसे पहले जूना अखाड़ा के संतों ने लगाई डुबकी

महाकुंभ के पहले शाही स्नान में सबसे पहले जूना अखाड़ा ने डुबकी लगाई। परंपरा के अनुसार, शाही स्नान में शुरुआत साधु-संतों और अखाड़ों के स्नान से होती है। जूना अखाड़ा के नागा साधु, भव्य शोभायात्रा के साथ संगम तट पर पहुंचे। उनके बाद दूसरे प्रमुख अखाड़ों ने क्रमवार स्नान किया। पूरे आयोजन में अनुशासन और उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने अखाड़ों के इस पवित्र स्नान को देखकर अपनी श्रद्धा प्रकट की।

श्रद्धालुओं पर गुलाब की पुष्प वर्षा

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं के स्वागत का खास इंतजाम किया गया है। पूरे 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में हेलिकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा होगी। इस आयोजन को खास बनाने के लिए उद्यान विभाग ने हर स्नान पर्व के लिए 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की है।

कुंभ मेला प्रभारी वीके सिंह ने बताया कि इस पहल का मकसद श्रद्धालुओं को दिव्य और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करना है। गुलाब की पंखुड़ियों से संगम क्षेत्र और अधिक सुंदर और आध्यात्मिक रूप में नजर आएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक नाव पर पुलिस चौकी बनाई है। इसे फ्लोटिंग पुलिस चौकी कहा जा रहा है।

कुंभ की जमीन किसी के अब्बा की नहीं हमारे बब्बा की है,मौलाना रजवी को बाबा बागेश्वर का जवाब

बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी में हैं। यहां वह पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री पुरी में एक श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। इस दौरान बागेश्वर सरकार ने मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी को जवाब देते हुए कहा कि कुंभ की जमीन किसी के अब्बा की नहीं बल्कि हमारे बब्बा की है।

महाकुंभ में साध्वी की खूबसूरती देख हर कोई हो गया मंत्रमुग्ध...कहा- रह चुकीं हैं एक्ट्रेस,वीडियो हुआ वायरल

आज यानि 13 जनवरी से प्रयागराज में भव्य महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है। पूष पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज लाखों लोगों ने गंगा में डूबकी लगाई है। महाकुंभ में शामिल होने के बाद देश ही नहीं दुनियाभर से साधू संत और नामी हस्ती लोग प्रयागराज पहुंच रहे हैं। महाकुंभ से साधु संतों का वीडियो भी सामने आ रहा है। इसी कड़ी में आज सोशल मीडिया पर एक साध्वी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसकी सुंदरता देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया है। खूबसूरत साध्वी रथ में बैठी हुई है। वहीं,इस दौरान एक रिपोर्टर ने उनसे कई सवाल किए। उनकी सुंदरता को देखकर एक यूट्यूबर ने उनसे सवाल किया-आप इतनी सुंदर हैं, तो साध्वी क्यों बनीं? इस पर साध्वी ने बड़ी ही खूबसूरती से जवाब दिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साध्वी से पूछा जाता है कि आप कहां से हैं? इसके जवाब में वह बताती हैं कि मैं उत्तराखंड से आई हूं,आचार्य महामंडलेश्वर की शिष्या हूं। जब उनसे खूबसूरती पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे जो करना था मैंने वह छोड़कर यह वेष धारण किया है। उन्होंने साध्वी जीवन सुकून के लिए अपनाया है। वह बताती हैं कि वह 30 साल की हैं और दो साल से साध्वी के रूप में जीवन व्यतीत कर रही हैं। आप जब जिंदगी में बहुत कुछ कर लेते होज आपने एक्टिंग भी कर ली, एंकरिंग भी कर ली, देश-विदेश भी घूम लियाज सब कुछ कर लिया है। उसके बाद ये रहता है कि आपको उसमें सुकून नहीं मिल रहा। नाम है,शौहरत है लेकिन सुकून नहीं है। फिर जब भक्ति आपको अपनी तरफ खींचने लगती है, तब आप लोगों आदि से कटकर भगवान की शरण में, भजन-कीर्तन और मंत्रों में आकर रहना चालू कर देते हो। वह इंटरव्यू में पुष्टी करती हैं कि वह एक्ट्रेस भी रह चुकी हैं।

त्रिशूल, तलवार और भालाः नागा साधु क्यों रखते हैं अपने पास हथियार ?

साधुओं की छवि आमतौर पर सांसारिक मोह माया और हिंसा से दूर रहने और साधना में लीन रहने वाली होती है. लेकिन जब बात नागा साधुओं की होती है, तो आपने देखा होगा कि साधना के बीच भी वे हमेशा अपने साथ अस्त्र रखते हैं। एक साधु का जीवन त्याग और तपस्या का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर एक साधु होकर भी नागा क्यों अस्त्र रखते हैं नागा साधु भगवान शिव के अनुयायी माने जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। कहा जाता है कि आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए ही नागा साधुओं और अखाड़ों की स्थापना की थी। इसलिए नागा साधु अपने अस्त्रों का इस्तेमाल धर्म की रक्षा के लिए करते हैं। उनका अस्त्र केवल आत्मरक्षा के लिए होता है, ना कि किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए। नागा साधुओं के पास जो अस्त्र होते हैं, जैसे त्रिशूल, तलवार और भाला, उनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है. त्रिशूल भगवान शिव का प्रिय अस्त्र है और इसे शक्ति, सृष्टि और विनाश का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान शिव की शक्ति का प्रतिनिधित्व करने के रूप में देखा जाता है। वहीं तलवार और भाला वीरता और साहस के प्रतीक होते हैं। यह अस्त्र उन साधुओं के शौर्य और बलिदान का प्रतीक होते हैं जो धर्म और समाज की रक्षा में जुटे रहते हैं। नागा साधु इन अस्त्रों को केवल आत्मरक्षा के रूप में रखते हैं, ताकि अगर कभी जरूरत पड़े तो वे अपनी रक्षा कर सकें।

काशी विश्वनाथ में 11 जनवरी से 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पर रोक

प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इसके चलते अब श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन भीड़ प्रबंधन के लिए सतर्क हो गया है। इस दौरान 11 जनवरी से महाशिवरात्रि के दो दिन बाद 28 फरवरी तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में 11 जनवरी से प्रोटोकॉल लागू है और 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पूर्णता हर समय प्रतिबंधित किया गया है।

मेरी पत्नी ने धमकी दी है, मैंने संगम में डुबकी लगाई, तो.वह मुझे छोड़ देगी

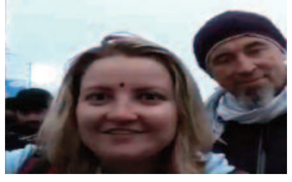

महाकुंभ विदेशियों को भी अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है, जिसमें दक्षिण कोरियाई यूट्यूबर से लेकर परंपराओं की गहरी समझ हासिल करने की ललक रखने वाले जापानी पर्यटक भी शामिल हैं। इटली से आने वाली वेलेरिया ने महाकुंभ के आध्यात्मिक वातावरण को अद्भुत और रोमांचक करार दिया। हालांकि, उन्होंने और उनके पति मिखाइल ने ठंडे मौसम के कारण पवित्र जल में डुबकी नहीं लगाई।वेलेरिया के पति मिखाइल ने मजाकिया लहजे में कहा, मेरी पत्नी ने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने संगम में डुबकी लगाई, तो वह मुझे छोड़ देगी।

कश्मीर देश का मुकुट

सोनमर्ग सुरंग से कनेक्टिविटी के साथ पर्यटन को लगेंगे नए पंख : पीएम मोदी

नई दिल्ली,13 जनवरी 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग इलाके में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया। इस दौरान सोनमर्ग में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं।कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि ये ताज और सुंदर और समृद्ध हो। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। ये आपकी बहुत पुरानी डिमांड थी। आज मुझे सोनमर्ग टनल देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है। केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद ही 2015 में सोनमर्ग टनल के वास्तविक निर्माण का काम शुरू हुआ था। पीएम मोदी ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि इस टनल का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है। सोनमर्ग सुरंग सर्दियों के दौरान कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी और क्षेत्र में पर्यटन को नए पंख देगा। जल्द ही जम्मू-कश्मीर में कई सड़क और रेल कनेक्टिविटी का काम पूरा हो जाएगा। आप पक्का मानिए, ये मोदी है, वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं। मैं आज की विकास परियोजनाओं के लिए जम्मू-कश्मीर के हर परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं।

पंजाब में चाइना डोर का कहर

» जालंधर में एक व्यक्ति की मौत

» अमृतसर में दो रूटों पर आवाजाही बंद

जालंधर,13 जनवरी 2025 (ए)। चाइना डोर का कहर जान लेने पर उतारू है। बीते दिन आदमपुर का व्यक्ति चाईना डोर की चपेट में आ गया था और उसकी गर्दन की नस कट गई थी आज चंडीगढ़ पीजीआई में उपचार के दौरान उक्त व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय युवक हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। 2 दिन पहले जब हरप्रीत अपनी मोटरसाइकिल से आदमपुर से वापस अपने गांव सरोबाद जा रहा था तो अचानक सड़क पर इस युवक की गर्दन पर चाईना डोर लगने से गहरा घाव हो गया, जिससे यह युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था।

अमृतसर पुलिस कमिश्नर ने लोहड़ी के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए एक विशेष कदम उठाया है। भंडारी ब्रिज और एलिवेटेड रोड पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी गई है। इन सड़कों पर सिर्फ चार पहिया वाहनों को ही जाने दिया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि लोहड़ी के मौके पर पतंगबाजी के कारण किसी भी तरह के हादसे से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। अक्सर देखा गया है कि चाइनीज मांझे के कारण दोपहिया वाहन ड्राइवरों के गला घोंटने या दुर्घटना होने की घटनाएं होती हैं। कई बार इन घटनाओं में जान भी चली गई है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कैग रिपोर्ट के मुद्दे पर आम आदी पार्टी को घेरा

पूछा-पेश क्यों नहीं की रिपोर्ट

नई दिल्ली,13 जनवरी 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्टीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को कैग (सीएजी) रिपोर्ट के मुद्दे पर आम आदी पार्टी को घेरा। सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में मुख्यमंत्री हैं भी और नहीं भी हैं। दिल्ली में अस्थायी मुख्यमंत्री और वास्तविक मुख्यमंत्री के बीच द्वंद है, इसे लेकर जनता के मन में कई प्रश्न तो उठ ही रहे थे। अब यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्थाओं और कानूनी दृष्टिकोण से भी उठने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि आप रोज एक सवाल खड़ी कर रही है, लेकिन दिल्ली सरकार सीएजी की रिपोर्ट को सदन के पटल पर क्यों नहीं रख रही है? हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद भी आप सरकार सीएजी की रिपोर्ट को सदन में नहीं रख रही है।

बीजेपी में टिकट बंटवारे पर बवाल मचने से सीटों पर उठ रहे बगावत के स्वर

नई दिल्ली,13 जनवरी 2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए बीजेपी ने अपनी दूसरी सूची जारी की है, जिसके बाद पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। तुगलकाबाद और करावल नगर जैसे क्षेत्रों से विरोध की खबरें सामने आई हैं।दक्षिण दिल्ली के तुगलकाबाद में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उनकी मांग है कि इस सीट पर घोषित उम्मीदवार को बदला जाए। पार्टी ने इस बार रोहताश बिधूड़ी को टिकट दिया है, जबकि पिछले चुनाव में हारे विक्रम बिधूड़ी का टिकट कट गया। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। करावल नगर सीट पर भी बगावत के सुर सुनाई दिए। पांच बार विधायक रहे मोहन सिंह बिष्ट ने कपिल मिश्रा को टिकट दिए जाने का विरोध किया। बिष्ट ने कहा कि यह फैसला गलत है और इसके परिणाम 5 फरवरी को दिखेंगे। उनकी नाराजगी के बाद बीजेपी ने उन्हें मुस्तफाबाद सीट से उम्मीदवार बना दिया। यह बदलाव रविवार को जारी तीसरी सूची में किया गया, जिसके बाद बिष्ट के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

संपादकीय

सामाजिक विकास पर खर्च करने में भारत अक्षम

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में आर्थिक और मानव विकास के अध्ययन से एक मजबूत परिणाम ने संकेत दिया है कि सफल देशों ने अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 10 प्रतिशत स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में खर्च किया है। यह भी, उन्होंने कुछ दशकों की लंबी अवधि में किया है। निजी संपत्ति और बाजारों पर आधारित पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाएं इन दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक खर्च करने में अग्रणी रही हैं। पिछले छह या सात दशकों के दौरान, चीन, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और हांगकांग जैसे देशों ने स्वास्थ्य और शिक्षा में अपनी क्षमताओं का बड़े पैमाने पर निर्माण किया है। इस संबंध में भारत का प्रदर्शन विशेष रूप से सुस्त रहा है। बुनियादी मानव क्षमताओं के निर्माण पर खर्च करने में असमर्थता आजादी के बाद से ही चिह्नित की गई है और यह आर्थिक उदारीकरण से पहले और बाद में भी जारी रही। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि 1990-91 से 2019-20 तक सामाजिक विकास पर खर्च जीडीपी के 5.8त्न से बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गया था मौजूदा सरकार के खुद के बयान के मुताबिक, स्वास्थ्य पर खर्च 2.5 प्रतिशत और शिक्षा पर 6 प्रतिशत होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से ये अनुपात काफी कम हैं। फिर भी, सरकार के अपने मामूली लक्ष्य अधूरे रह गए हैं। 2020 में, भारत का स्वास्थ्य पर खर्च 1.36त्न और शिक्षा पर 2.88 प्रतिशत था। लगातार सरकारों की विकासात्मक रणनीति की इस निरंतर विफलता पर कुछ स्पष्टीकरण आवश्यक हैं। सबसे पहले, स्वास्थ्य और शिक्षा पर कुल खर्च समय के साथ स्पष्ट रूप से बढ़ा है क्योंकि इसी अवधि के दौरान जीडीपी में वृद्धि हुई है। लेकिन यह वृद्धि अपर्याप्त रही है। कुछ वर्षों में, वृद्धि मुद्रास्फीति को भी कवर नहीं करती है। दूसरा स्पष्टीकरण यह है कि हमारे संघीय ढांचे को देखते हुए,राज्य भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं। भले ही कोई इनके लिए बजटीय आंकड़ों में संशोधन करे, फिर भी कुल खर्च उन सफल देशों की तुलना में अपर्याप्त होगा जो स्वास्थ्य और शिक्षा को अपनी विकास रणनीति में महत्वपूर्ण तत्व मानते हैं। तीसरा और अंतिम पहलू निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर खोजने से संबंधित है- सरकार इन क्षेत्रों पर अधिक खर्च क्यों नहीं कर सकती? इसके लिए करों में वृद्धि करने या उधार लेने में देरी करने के बजाय व्यय के अन्य मदों में कटौती करने की आवश्यकता होगी। भारत में ऐसा करना मुश्किल है क्योंकि अलग-अलग और शक्तिशाली लॉबी के पास आर्थिक पाई पर अलग-अलग दावे हैं। स्वास्थ्य और शैक्षिक सेवाओं में सुधार से लाभ उठाने वालों की राजनीति में सबसे कमजोर आवाज है। भारत को इन आवाजों को मजबूत करने की जरूरत है।

जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से सजा मकर संक्रांति का उत्सव

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

हिंदू महाकाव्य महाभारत में मकर संक्रांति से जुड़े माघ मेले का उल्लेख है। हर बारह वर्ष बाद मकर संक्रांति पर कुंभ मेला आयोजित होता है, जो विश्व के सबसे बड़े सामूहिक तीर्थस्थलों में से एक है, जिसमें लाखों लोग आते हैं। संक्रांति को एक ऐसे देवता के रूप में पूजा जाता है, जिन्होंने, किंवदंतियों के अनुसार, राक्षस शंकरसुर को पराजित किया था। यह सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को दर्शाता है, जो शीतकालीन संक्रांति के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत को दर्शाता है। सूर्य देवता को समर्पित मकर संक्रांति पूरे भारत में मनाया जाने वाला सांस्कृतिक, धार्मिक और कृषि सम्बंधी अत्यधिक महत्त्व का त्यौहार है। भारत और पड़ोसी देशों में विभिन्न नामों से मनाया जाता है, जिनमें पोंगल, माघ बिहू, उत्तरायण आदि शामिल हैं। प्रत्येक क्षेत्र में त्यौहार से जुड़ी अपनी अनूठी रीति-रिवाज और अनुष्ठान होते हैं।

भारत के कई राज्यों में 14 जनवरी को अलग-अलग नामों से सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं- मकर संक्रांति,पोंगल,माघ बिहू आदि। कई हिंदू त्योहारों के विपरीत, इन त्योहारों की तारीख काफ़ी हद तक तय होती है। मकर संक्रांति, भारत में सबसे अधिक मनाए जाने वाले त्यौहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार आध्यात्मिक भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का मिश्रण है, जिसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। यह फ़सल, समृद्धि और नई शुरुआत का जश्न मनाने का दिन है।

मकर संक्रांति भारत में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला फ़सल उत्सव है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह सर्दियों के संक्रांति के अंत और लंबे, गर्म दिनों की शुरुआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के उपलक्ष्य में मनाई जाती है, जो शुभ उत्तरायण काल की शुरुआत का प्रतीक है। यह फ़सल के लिए आभार और आने वाले वर्ष में समृद्धि की आशा का समय है। यह दिन गेहूँ, चावल और गन्ना जैसी फसलों की कटाई के मौसम का प्रतीक है। यह सूर्य के उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने को दर्शाता है, जो गर्मी और सकारात्मकता लाता है। प्रकृति को धन्यवाद देने और प्रचुरता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। मकर संक्रांति विविधता में एकता का प्रतीक है, प्रत्येक राज्य अपने अनूठे तरीके से इस त्यौहार को मनाता है। यह समुदाय, नवीनीकरण और कल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। पवित्र स्नान, प्रार्थना और पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार करने जैसी रस्में त्यौहार के सार को दर्शाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, माघ बिहू और लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों से मनाया जाता है। प्रकृति, कृषि और मौसमी चक्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। पतंग उड़ाना, लोक नृत्य और दावतें जैसे अनुष्ठान समुदायों को एक साथ लाते हैं। मकर संक्रांति का उत्सव जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से चिह्नित है, जो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग हैं, पतंग उड़ाना गुजरात और राजस्थान में विशेष रूप से लोकप्रिय, स्वतंत्रता और ख़ुशी का प्रतीक है। तीर्थयात्री गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में अनुष्ठानिक स्नान करते हैं। पारंपरिक भोजन तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बांटी जाती हैं। फ़सल की ख़ुशी मनाने के लिए राज्यों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस समय कपड़े, भोजन और धन दान करना शुभ माना जाता है। स्नान, सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित करना, दान, श्राद्ध कर्म और व्रत खोलना जैसी गतिविधियाँ पुण्य काल के दौरान की जाती हैं। यदि मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है, तो ये गतिविधियाँ अगले सूर्योदय तक स्थगित कर दी जाती हैं। श्रद्धालु अक्सर अपने पापों से शुद्ध होने के लिए गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव गुजरात के सबसे जीवंत और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसे हर साल जनवरी में मकर संक्रांति के दौरान मनाया जाता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह उत्सव दुनिया भर से पतंग के शौकीनों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। विभिन्न आकार और आकारों की अनूठी पतंगों के उड़ने से आसमान एक रंगीन कैनवास में बदल जाता है। यह कार्यक्रम ख़ुशी, एकता और गुजरात की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो इसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए ज़रूर देखने लायक बनाता है। पतंग उड़ाने के साथ-साथ, इस उत्सव में सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजन और शिल्प प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जो गुजरात की समृद्ध परंपराओं की सच्ची झलक पेश करती हैं।

मकर संक्रांति पर ताज़ा कटे हुए अनाज खाने का समय होता है, जिसे सबसे पहले देवताओं को चढ़ाया जाता है और फिर खाया जाता है। आयुर्वेद में खिचड़ी खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह हल्का और आसानी से पचने वाला व्यंजन है। खिचड़ी खाने का मतलब है कि यह शरीर को मौसम में होने वाले बदलाव के लिए तैयार करता है, चाहे वह सर्दियों की ठंडी हवा हो या वसंत की आने वाली गर्मी। जैसे-जैसे तापमान शुष्क ठंड से आश्चर्यजनक रूप से गर्म होता जाता है, शरीर असंतुलन के प्रति संवेदनशील हो जाता है। इस प्रकार, खिचड़ी शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हुए भूख को संतुष्ट करने के लिए एक आदर्श व्यंजन है। स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों के अलावा, इस त्यौहार पर खिचड़ी पकाना और खाना एकता का प्रतीक है, क्योंकि लोग एक ही बर्तन में ताज़े कटे हुए चावल, दालें, मौसमी सब्जियाँ और मसाले सहित सभी सामग्रियों को मिलाकर इस व्यंजन को पकाते हैं। यह जीवन और उत्थान की प्रक्रिया का प्रतीक है, जो नए फ़सल वर्ष की शुरुआत का संकेत देता है। आयुर्वेद इस दिव्य दिन पर तिल और गुड़ खाने का भी सुझाव देता है। संक्रांति और तिल समानार्थी हैं क्योंकि इस त्यौहार को आमतौर पर तिल संक्रांति के रूप में भी जाना जाता है। तिल नकारात्मकता को अवशोषित कर सकते हैं और सत्व-शुद्धता, अच्छाई और सद्भाव को बढ़ा सकते हैं, जो बदले में आध्यात्मिक अभ्यास को सुविधाजनक बनाता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का सवाल

भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर लंबे समय से विचार- विमर्श होता रहा है। आर्थिक उदारीकरण के बाद, गुणवत्ता की परिभाषा आर्थिक कारकों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के प्रभाव से परिवर्तित हुई है। पारंपरिक रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना तथा उन्हें आजीवन सीखने के लिए तैयार करना रहा है। हालांकि, वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों में इस अवधारणा को स्पष्ट करना तथा उसे प्राप्त करना और जटिल होता जा रहा है यह एक चुनौती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा की पहुंच, समानता और गुणवत्ता जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है। हालांकि, इसमें कुछ विरोधाभास भी दिखते हैं। एक ओर यह सभी शिक्षार्थियों के लिए सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान पहुंच पर जोर देती है। वहीं दूसरी ओर इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निजी परोपकारी प्रयासों पर निर्भरता जताती है, जिससे इसकी समावेशिता और व्यवहार्यता को लेकर गंभीर चिंता पैदा होती है। शिक्षा में गुणवत्ता की अवधारणा बहुआयामी है इसमें व्याख्यान, शिक्षक, पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या की संरचना, छात्रों की गुणवत्ता, शैक्षणिक संस्थान, परीक्षा प्रक्रिया का प्रबंधन और संस्थागत सुविधाओं की पर्याप्तता सहित कई पहलू समाहित हैं। इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव शिक्षा की समग्र गुणवत्ता निर्धारित करता है। शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना विवादास्पद काम रहा है। इसमें यह विचार करना कठिन होता है कि शिक्षण विधियों और पाठ्यचर्या में कितनी प्रौद्योगिकी शामिल की जाए। अगर शिक्षकों को पर्याप्त बुनियादी ढांचा, वित्तीय सहायता, पुस्तकालयों और र अनुसंधान सुविधाओं जैसे संसाधन प्रदान किए जाएं तथा उन्हें अत्यधिक प्रशासनिक कार्यों से मुक्त रखा जाए, तो वे शिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। अपनी शिक्षण विधियों में नवाचार ला सकते हैं। ऐसी 7 परिस्थितियों में 1 में, गुणवत्ता स्वाभाविक से सुधरती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य सभी विद्यार्थियों के सामाजिक, मानसिक, शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास पर केंद्रित होता है, जो लिंग, नस्ल, जातीयता, सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना समान अवसर प्रदान करता है। यूरोपीय चिंतक वान केमेनेड और उनके सहयोगियों के अनुसार, शिक्षा की गुणवत्ता को चार मुख्य बिंदुओं से समझा जा सकता है- उद्देश्य मानदंड, विषय और मूल्य शिक्षा का लक्ष्य क्या है? किस प्रकार का ज्ञान और कौशल प्रदान करना है ? गुणवत्ता की को मापने के लिए क्या पैमाने मानदंड हैं? किस विषय या क्षेत्र में गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जा रहा है? शिक्षा में किन मूल्यों महत्त्व दिया जाता है? इन बिंदुओं से पता चलता है कि शिक्षा की गुणवत्ता को समझना कितना जटिल है, क्योंकि ये अलग-अलग परिस्थितियों और लक्ष्यों के अनुसार बदलते रहते हैं। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को परिभाषित करना और उसका मूल्यांकन करना चुनौती बना हुआ है। अक्सर हम आंकड़ों का इस्तेमाल करते हैं, जो देखने में तो निष्पक्ष लगते हैं, लेकिन वास्तव में उनके चुनाव या बहिष्कार मैं कहीं न कहीं व्यक्तिपरकता होती है ये तरीके गुणवत्ता की सही तस्वीर नहीं दिखाते और अनजाने में संस्थानों तथा विद्यार्थियों के लिए नुकसानदायक भी हो सकते हैं। इसलिए शिक्षा में गुणवत्ता को समझने के लिए हमें एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो सभी पहलुओं पर विचार करे। उच्च शिक्षा और जीवन-वृत्ति परिणामों का आपस में संबंध एवं गुणवत्ता की चर्चा को और पेचीदा बना देता है। अगर किसी स्नातक को नौकरी नहीं मिलती या उसकी जीवन-वृत्ति में तरक्की नहीं होती, तो आवश्यक नहीं कि यह उच्च शिक्षा की कमियों का नतीजा हो। इसकी वजह व्यापक आर्थिक चुनौतियां हो सकती हैं, बढ़ती संख्या में स्नातकों के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन की कमी भी हो सकती है। हालांकि उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार महत्त्वपूर्ण है, लेकिन समानता और सामर्थ्य की दोहरी चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आज के समय में, छात्र और उनके परिवार सिर्फ उच्च शिक्षा के अवसर नहीं, बल्कि कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जिसमें सभी के लिए समान अवसर हों, की अपेक्षा करते हैं। यह कोई गलत भी नहीं। शिक्षा के समान अवसर तो मिलना ही चाहिए 7 इसके अलावा, आजकल विपणन और रैंकिंग के जरिए गुणवत्ता के बारे गलत धारणाओं का बढ़ता रुझान इन चुनौतियों को और बढ़ाता है। गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए जो नीतिगत हस्तक्षेप किए जाते हैं, वे अक्सर 'मध्यमता के समुद्र में अलग-थलग उत्कृष्टता के द्वीप पैदा करते हैं, जो प्रणालीगत सुधार लाने में विफल रहते हैं। गुणवत्ता एक जटिल परिघटना है, जिसे किसी आसान सूत्र में बांधा जा सकता। इसे समझने की जरूरत है। परंपरागत रूप से, सीटों की संख्या के मुकाबले आवेदकों की संख्या जैसे कुछ मापदंडों का इस्तेमाल उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता दिखाने के लिए किया जाता रहा है। मगर मापदंड कार्यक्रम की लोकप्रियता को ज्यादा महत्त्व देकर विशिष्टता और अभिजात्यवाद को बढ़ावा दे सकते हैं। योग्यता के आधार पर होने वाली चयन प्रक्रियाएं अक्सर उन छात्रों को अधिक फायदा पहुंचाती हैं, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों से होते हैं। इससे असमानता बनी रहती है और जो लोग हाशिये पर हैं, उनके लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच सीमित हो जाती है। इसके अलावा, अगर हम सिर्फ आर्थिक आधार पर गुणवत्ता मापने पर जोर देते देते हैं, तो उन सूक्ष्म सामाजिक और आर्थिक कारकों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो छात्रों के परिणामों को प्रभावित करते हैं।

-विजय गर्ग-

14 जनवरी मकर संक्रान्ति पर विशेष

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ़ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरु हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है। गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगाा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

मकर संक्रांति,लोहड़ी मने

जन जीवन खुश हो रहा,
हर्षित हुआ अनंग।
संक्रांति, लोहड़ी मने,
खुशियाँ छाई अंग।।
मकर संक्रांति ये कहे,
रहो सजग तैयार।
हृद पराग परिपूर्ण हो,
झूम उठे संसार।।
बहुत-बड़ा यह पर्व है,
जग जीवन आधार।
आधि-व्याधि सब दूर हो,
करे नवल संचार।।
मकर संक्रांति पर्व ये,
भरता नव उमंग।
तिल-गुड़ खा पोषित हो,
जीवन की पतंग।।
दान पुण्य के दिवस पर,
जाऐं तीरथ धाम।
दीन दुखी को दान कर,
बोलो जय श्री राम।।
स्वस्थ गुणी संस्कार से,
काया रहे निरोग।
पर्व मकर संक्रांति पर,
सुखद आज संयोग।।
सौरभ! प्रभु जी से करें,
एक यही अरदास।
सूर्य देव अब कर कृपा,
हो पूरी सब आस।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

आरक्षण नहीं तो वोट नहीं...आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग समुदाय ने गांधी चौक पर किया धरना प्रदर्शन

- संवाददाता -
बलरामपुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर (ओबीसी) पिछड़ा वर्ग सामुदाय के लोंगो ने आरक्षण को लेकर गांधी चौक पर धरना प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। वही पिछड़ा वर्ग समुदाय के लोंगो ने चक्काजाम करने जा रहे थे पुलिस से झूमाझटकी हुई पुलिस ने पांच लोंगो को हिरासत में लिया इसके बाद थाने में छोड़ दिया।

धरना प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने भारी मात्रा में पुलिस की ड्यूटी लगाई थी। (ओबीसी) पिछड़ा वर्ग सामुदाय के लोंगो ने धरना प्रदर्शन के दौरान कहा कि भाजपा की सरकार अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव में पूर्व की व्यवस्थाओं को समाप्त करते हुए आरक्षण को समाप्त करने की दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। ऐसा वर्तमान आरक्षण रोस्टर को देखने पक्ष स्पष्ट तौर पर परिलक्षित हो रहा है। सरकार के दुर्भावना पूर्वक किए गए संसाधनों के परिणाम स्वरूप और दिए गए निर्देशों के परिणाम स्वरूप जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा स्थानीय निकाय व पंचायत चुनाव में अधिकांश जिला और जनपद पंचायतों में ओबीसी आरक्षण खत्म हो गई है। प्रदेश के 16 जिला पंचायत और 85 जनपदों में जहां पहले 25 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हुआ करत था अब अनुसूचित क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण लगभग खत्म सा हो गया है। बलरामपुर जिले के राजपुर जनपद क्षेत्र के अंतर्गत ओबीसी की संख्या 80 से 100 प्रतिशत तक है वहां भी ओबीसी आरक्षण को शून्य कर दिया गया है। राजपुर जनपद क्षेत्र के 70 के 70 पंचायतों में

ओबीसी को कोई स्थान नहीं दिया गया हैं। मैदानी क्षेत्रों में अनेकों पंचायतें ऐसी है जहां पर लगभग 90 से 99 प्रतिशत आबादी ओबीसी की है लेकिन वहां पर भी ओबीसी के लिए सरपंच का पद आरक्षित नहीं है। पंचों का आरक्षण भी जनसंख्या के अनुपात में कम है। पूर्व में ओबीसी के लिए आरक्षित ये सभी सीटें अब सामान्य घोषित हो चुकी है। राज्य की भाजपा सरकार के द्वारा आरक्षण प्रक्रिया के नियमों में किए गए दुर्भावना पूर्वक संशोधन के बाद अनुसूचित जिले और ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य और पंचों का जो भी पद अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था वह अब सामान्य सीटे घोषित हो गई है।

बस्तर और सरगुजा संभाग में आरक्षित वर्ग को बड़ा नुकसान है सरगुजा संभाग के पांच जिले अंबिकापुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ, चिरमिरी, भरतपुर सोनहत, बस्तर के 7 जिले बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, दंतेवाडा, नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर सहित मानपुर मोहला, जशपुर, गैरोला पेंड्रा मरवाही, और कोरबा जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुछ बचा ही नहीं है। भाजपा सरकार के द्वारा स्थानीय निकाय (त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय) चुनाव में आरक्षण के प्रावधानों में जो षडयंत्र पूर्वक ओबीसी विरोधी परिवर्तन किया है उसके परिणाम सामने हैं। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के लिए जिला पंचायत, जनपद पंचायत, सरपंच और पंचों के आरक्षण में ओबीसी के हक और अधिकारों में बड़ी कटौती इस सरकार ने की है। विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित छत्तीसगढ़ नवीन आरक्षण विधेयक को रोका जिसमें अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग को 14 से बढ़कर 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान था, 2 दिसंबर को पारित यह विधेयक भाजपा के षडयंत्रों के चलते ही आज तक राजभवन में लंबित है। अब स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण के नियमों में बदलाव करके ओबीसी अधिकारों में दुर्भावना पूर्वक कटौती किया गया है। धरना प्रदर्शन में अन्य समाज के लोंगो ने अपना समर्थन दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान काफ़ी संख्या में पिछड़ा वर्ग समुदाय के लोग उपस्थित थे।

पत्नी बनाकर रखे भाभी की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कुन्नी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम तेन्दू घाट में एक युवक ने पत्नी बनाकर रखे भाभी की पत्थर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

जानकारी के अनुसार मानकुंवर पति देवचंद दास उम्र 42 वर्ष पुलिस चौकी कुन्नी क्षेत्र के ग्राम तेन्दूघाट की रहने वाली थी। 6 माह पूर्व मानकुंवर का देवर विष्णु दास उसे भागकर पत्नी के रूप में रखा था। इधर उसका पति उसे छोडक़र बच्चों के साथ ससुराल में रह रहा था। इधर देवर-भाभी पति-

पत्नी के रूप में साथ रहते थे। दोनों शराब पीने के आदी थे और नशे की हालत में आए दिन झगड़ा विवाद करते थे। 12 जनवारी की रात को विष्णु दास शराब पीकर घर आया और मानकुंवर के साथ गाली गलौज व मारपीट करने लगा। वह डर से घर से बाहर भाग गई। तभी उसके साथ मारपीट करता रहा। इसके बाद उसे मारते हुए घर के अंदर लाया और पत्थर से सिर व चेहरे पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद विष्णु मौके से फरार हो गया। सोमवार की सुबह 7.30 बजे मृतिका का दूसरा देवर सिया दास घर पहुंचा तो देखा कि उसकी भाभी खून से लटपथ मृत हालत में पड़ी हुई है। और चेहरे और सर में गंभीर चोट के निशान है। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर कुन्नी पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि पर ठंड से राहत नहीं

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रियता के कारण आसमान में बादल छाए हुए है। इससे न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है पर ठंड से राहत लोगों को को नहीं मिल रहा है। सोमवार को पूरे दिन कोहरे का असर देखा गया। ठंडी हवा से पूरे दिन लोग ठिठुरते रहे। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण सरगुजा संभाग में बंदाबांदी की संभावना बनी हुई है।

सरगुजा संभाग में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला हुआ है। शीतलहर के कारण न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया था। इसी बीच रविवार से पश्चिमी विक्षोभी के सक्रियता के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। 12.1 डिग्री पर पहुंच गया है। वहीं बादलों की सक्रियता व चल रही ठंडी हवा के कारण अधिकतम तापमान 27 डिग्री से गिरकर 22 डिग्री पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं सोमवार को पूरे दिन कोहरे का असर रहा। कोहरे व बादलों की सक्रियता के कारण पूर्ण रूप से भगवान सूर्य का दर्शन नहीं हो सका। धूप न निकलने व चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे दिन लोग ठिठुरते रहे।

स्वामी विवेकानंद ने के मार्गों पर चलने की आवश्यकता

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में युवा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी तन्मयानंद महाराज एवं विशिष्ट अतिथि श्रीकांतदुबे, दीपक सिंह तोमर, कमलेश सोनी थे। श्रीकांत दुबे ने विश्व युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए स्वामी विवेकानंद का जीवनी की जीवंत घटनाएं प्रस्तुत की और देशप्रेम एवं धर्म के महत्व को बताते हुए उन्हें आदर एवं सम्मान करने के लिए प्रेरित किया, इसके पश्चात् स्वामी तन्मयानंद महाराज ने स्वामी विवेकानंद के विचार को व्यक्त किया साथ ही गुरुकुल आश्रम की ज्ञान, ईश्वर से मनुष्य का मेल,ऋषि मुनियों के बारे में जानकारी, जीवन में आदर्श, पवित्रता, धैर्य, ब्रह्मचर्य को बढ़ावा देते हुए इसे जीवन में आत्मसात करने की राह दिखाई, साथ ही सभी युवाओं को जागरुक करते हुए आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन दिया। दीपक सिंह तोमर ने सबसे पहले भारत की युवाओं को देश की विकास में अपनी योगदान देने की बात कही और युवाओं को प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद का नमन किया, उन्होंने कहा कि मानव का जितना बड़ा संघर्ष होगा सफलता उतनी ही शानदार होगी,तत्पश्चात् कमलेश सोनी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों की कहानियाँ सुनने से नहीं चलेगा उसे अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है, इस प्रकार उन्होंने आचरण में बदलाव की ओर ध्यान आकर्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय के अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह बाबरा, महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. अंजन सिंह, सहायक प्राध्यापक सुमन पांडे यह भव्य कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रचार्य डॉक्टर अंजन सिंह के मार्गदर्शन में तथा समस्त सहायक प्राध्यापक पूजा दुबे,सुमन पां डे, रानी पांडे,चंदा सिंह, नीरू त्रिपाठी, श्वेता तिवारी,चांदनी सिंह और सीमा मिश्रा के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमें बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति शत - प्रतिशत रही।

संघ की जीवनी शक्ति का स्त्रोत है शाखा : सह प्रान्त कार्यवाह

» **आरएसएस की स्थापना के शताब्दी वर्ष में शाखा संगम कार्यक्रम सम्पन्न**

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष में अंबिकापुर जिले द्वारा विवेकानंद जी के जयंती पर शाखा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शाखा संगम में जिले के सभी 64 मंडलों एवं 20 बस्तियों की 100 शाखाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सह प्रान्त कार्यवाह गोपाल यादव ने अपने कहा कि संघ 100 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है विश्व में शायद ही कोई संगठन हो जो अपने स्थापना समय से ही निर्धारित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सफलता पूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है।

शाखा से संस्कारित स्वयंसेवक समाज परिवर्तन के कार्य में पूर्ण मनोयोग से प्रयत्नशील है। संघ के स्वयंसेवक बिना किसी शोरगुल के अपना कार्य सम्पादित करते हैं तेरा वैभव अमर रहे मां हम दिन चार रहे न रहे इस ध्येय को आत्मसात कर व्यवहार रूप में प्रदर्शित करते हैं। यह संस्कार उन्हें शाखा से मिलता है, इसीलिए कहा जाता है संघ अर्थात शाखा, शाखा अर्थात कार्यक्रम, कार्यक्रम अर्थात संस्कार इसलिए संघ की जीवनी शक्ति का स्त्रोत शाखा है। संघ अपने अनेक पड़ाव को पार करता हुआ विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन के रूप में प्रतिष्ठित है। जिला प्रचारक जीतेन्द्र शर्मा ने कहा कि यह शाखा संगम शताब्दी वर्ष में संगठन के विस्तार एवं दृढीकरण का प्रारम्भिक चरण है। हमें 100 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक मंडल पर विजयादशमी में 100 गणवेश धारी स्वयंसेवकों का संचलन करने सहित, आगामी विभिन्न चरणबद्ध कार्यक्रमों की प्रारम्भिक जानकारी दी। साथ ही शताब्दी वर्ष में स्वयंसेवकों से समय का समर्पण बढ़ाने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यवाह सम्पत चंदेल ने किया। इस अवसर पर विभाग संघ संघ चालक जलजीत सिंह, जिला संघ चालक भगवान दास बंसल, प्रान्त के मुख्य मार्ग प्रमुख गौरंगों सिंह, विभाग कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी, नगर एवं खंड कार्यकारिणी सहित हजारों की संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बिस्किट दिलाने के बहाने जंगल में लेजाकर मासूम से बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में 5 साल की बच्ची से बलात्कार की घटना सामने आई है। 22 वर्ष के युवक ने बच्ची को बिस्किट खिलाने के बहाने जंगल में लेजाकर वारदात को अंजाम दिया है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। वहीं पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार की शाम करीब 4 बजे 5 वर्षीय मासूम बच्ची अपने घर के आस पास खेल रही थी। गांव के ही एक युवक ने उसे बिस्किट दिलाने का झांसा दिया और उसे गांव से लगे जंगल में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद बच्ची को जंगल में ही छोडक़र आरोपी फरार हो गया। इसके बाद बच्ची रोत हुए जंगल से घर पहुंची और घटना की जानकारी दादी व मां को दी। मासूम बच्ची से बलात्कार किए जाने की जानकारी लगते ही गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। परिजन ने मामले की रिपोर्ट उदयपुर थाना में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्काल रात में ही आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 64 और 65 (2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना में फूलटाईम एवं पार्ट-टाईम काम करने का अवसर

आवश्यकता है

1. कार्यालय सहायक-2 पद,वेतन- 5000-10,000
2. कम्प्यूटर ऑपरेटर-2 पद,वेतन- 5000-10,000

संपर्क

दैनिक घटती-घटना,संत हरकेवल विद्यापीट के पास नमनाकला,अम्बिकापुर,सरगुजा,छ.ग. मो.- 98265-32611

नगरीय निकाय चुनावों के लिए कांग्रेस ने की आयोजित बैठक

- सवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

आगामी नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस की अम्बिकापुर में निगम चुनाव जीतने से पूरे संभाग में कांग्रेस को चुनावी मजबूती प्राप्त होगी। नगरीय निकाय चुनावों के लिए आयोजित बैठक में यह बात आज बैकुंठपुर की पूर्व विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव ने सरगुजा जिले कांग्रेस कमेटी के कार्यालय राजीव भवन में कही। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उन्हें अम्बिकापुर नगर निगम चुनाव हेतु प्रभारी नियुक्त किया है। बैठक में उन्होंने निगम चुनाव के परिपेक्ष्य में पार्षदों के उम्मीदवार के चयन के लिए आगामी 3 दिनों के अंदर वार्ड कमेटियों के गठन करने को कहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट हो चुनाव जीतने का आव्हान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए औषधीय पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नगरीय निकाय के चुनाव को पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम अपनी 10 साल की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जायेंगे। उन्होंने कहा कि अम्बिकापुर निगम चुनाव में कांग्रेस की हैट्रिक तय है। बैठक के दौरान अम्बिकापुर नगर निगम के निवर्तमान महापौर डॉ अजय तिर्की ने अपना एक माह का वेतन कांग्रेस के फंड में दान किया। कांग्रेस ने नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया था कि वे वर्ष में 1 बार अपने 1 माह का वेतन पार्टी फंड में दान करें। इस दौरान बैठक को संबोधित करते हुए डॉ अजय तिर्की ने कहा कि हमारी रणनीति ऐसी होगी कि वार्डों में पार्षद और महापौर के लिये डाले जाने मत एक दूसरे के लिये मददगार बनते हुए कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करेंगे।

निगम के पूर्व सभापति श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि अम्बिकापुर के मुख्य मार्गों की दुर्दशा के लिए निगम को उत्तरदायी करार किया जाता है जबकि इसकी जिम्मेदार डबल इंजन की भाजपा सरकार है। निगम चुनाव में कांग्रेस घर घर जाकर डबल इंजन सरकार की इस नाकामी को ले जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए शफी अहमद ने कहा कि अम्बिकापुर निगम में 10 साल तक सत्तारूढ़ रही कांग्रेस ईमानदारी से अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाई। उन्होंने कहा कि निगम में 10 वर्षों तक सत्तारूढ़ हो भाजपा के द्वारा किये गये भ्रष्टाचार आज भी जनचर्चा का विषय हैं। किस प्रकार भाजपा ने हाइड्रोलिक डंफर से लेकर कुल्हाड़ी की खरीदी और डीजल की चोरी में घोटाले किये यह छुपा हुआ नहीं है। बैठक को संबोधित करते हुए पीसीसी महामंत्री श्री द्वितेंद्र मिश्रा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता ने वार्ड कमेटियों के माध्यम से वार्डो से पार्षद उम्मीदवारों के 1 नाम के चयन को महत्व देते हुए एकजुटता कायम रखने पर जोर दिया। बैठक के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चुनाव पर सुझाव भी आमंत्रित किए गए। बैठक का संचालन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री हेमंत सिन्हा ने किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकारणी सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

क्या जुआरियों को पकड़ने में पुलिस बल पड़ा कम... 100 की संख्या वाले जुआरी में सिर्फ पकड़े गए 26 ?

आईजी ने जिस टीम को भेजा कार्रवाई के लिए...क्या उस टीम ने दिया धोखा...

पकड़ा जा सकता था लाखों का जूआ पर मात्र पकड़ पाए डेढ़ लाख का जुआ ?

- क्या जुआ का सिडिकेट एस कुमार को नहीं पकड़ना चाह रही पुलिस या फिर पुलिस में ही है कोई उसका मुखबिर है जो उसे पहले ही दे देता है सूचना ?
- क्या क्रेशर मालिक पर कार्यवाही करने से कतरा रही थी पुलिस ?
- जो टीम गई थी जुआ पकड़ने वह ढाबा में बैठकर जुआ के सिंडिकेट एस कुमार के साथ खा रही थी खानाःसूत्र
- स्पेशल टीम के साथ एस कुमार की है तगड़ी सेटिंग...पहुंचता है उन्हें मनचाहा हिस्साःसूत्र
- सूरजपुर की स्पेशल टीम जुआ के सिंडिकेट का देती है साथ और उसके मन मुताबिक करती है कार्रवाईःसूत्र

- रवि सिंह -
सूरजपुर/कोरिया 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जुआ के सिंडिकेट को चलाने नाम वाला एस कुमार एक बार फिर आईजी की बड़ी कार्यवाही से बच निकला, बताया जा रहा है कूड़ेली के जिस क्रेशर में जुआ फड़ संचालित हो रहा था वहां पर 80 से 100 के बीच में जुआरी थे और 25 से 30 लाख का वहां पर दाव लगा रहा था, यहां तक की जुआ के साथ बुक का भी खेल हो रहा था, जहां आईजी द्वारा गठित सूरजपुर की स्पेशल टीम कार्यवाही करने पहुंची और कार्यवाही भी की पर उनकी कार्यवाही भी संदेह के दायरे में तब चली गई जब वहां से सिर्फ डेढ़ लाख व 26 जुआरी पकड़े जाने की जानकारी आई, यह बात किसी को भी हजम नहीं हो रहा कि इतने बड़े जुआ फड़ में इतना कम पैसा ही पुलिस ने बरामद कर पाया और सिर्फ 26 जुआरी ही उनके हाथ लगे, पर वही इस कार्यवाही में एक बार फिर सिंडिकेट का मुखिया एस कुमार बच निकला, ऐसा लगा कि पकड़ने से पहले ही पुलिस वालों ने उन्हें जानकारी दे दी थी, जिस वजह से सिंडिकेट का मुखिया भाग निकला, वही एक बार फिर पुलिस से बच निकला और सूत्रों का कहना है कि पकड़ने वाली टीम के साथ किसी ढाबा में खाना खाते दिखा, जिसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और उसके साथ स्पेशल टीम की भूमिका संदिग्ध नजर आई, यदि स्पेशल टीम ईमानदारी से काम करती तो आईजी का भरोसा भी जीती और एक बड़ी कार्यवाही मामले में हो पाती, पर कहीं ना कहीं पैसे की चमकने आईजी के विश्वास को भी खोया और एक बड़ी कार्यवाही से नाकाम हो गए? वही इस कार्यवाही के बाद कोरिया पुलिस की फजीहत हो गई, कोरिया पुलिस को जहां इस कार्रवाई को करना था वहां बाहरी टीम जाकर कार्यवाही कर यह बता दिया कि कोरिया पुलिस भी जुआरी के साथ संलिप्त थी।

क्रेशर संचालक पर क्यों नहीं हो रही कार्रवाई ?

जुआ का सिंडिकेट चलने वाला एस कुमार को कुंडली में ही एक क्रेशर मिल गया था जहां पर वह लंबे समय से जुआ फाड़ संचालित करा रहा है, क्रेशर वाले को इसके एवज में प्रतिदिन का एक फिक्स रकम किराए के तौर पर दिया जा रहा था,अब जब कार्रवाई हुई है तो वहीं क्रशर संचालक कार्यवाही से कैसे बचा रहा यह बड़ा सवाल है जबकि गैरजमानती धाराएं भी जुड़ेगी? अधिनियम के संशोधन के पहले तक जुआ प्रतिषेध अधिनियम के सभी अपराध संज्ञेय तथा जमानती थे। वर्तमान अधिनियम में कार्रवाई के लिए कड़े प्रावधान करते हुए जुआ घर का स्वामी होना (धारा-4), जुआ खिलाना (धारा-6), ऑनलाइन जुआ खिलाना (धारा -7), विज्ञापन प्रतिषेध का उल्लंघन (धारा-11) और कंपनी द्वारा अपराध (धारा-12) को संज्ञेय तथा गैरजमानती अपराध बनाया गया है। क्रेशर मलिक पर होगी क्या गैर जमानती धाराओं के तहत कार्रवाई होनी थी जो नहीं हुई।

मिली जानकारी के अनुसार लंबे समय से कुंडली के एक क्रेशर में जुआ फड़ सिंडिकेट के मुखिया एस कुमार द्वारा अंतरराज्यीय जुआरी सहित स्थानीय जुआरी को बुलाकर जुआ फड़ संचालित किया जा रहा था, जिसकी शिकायत लंबे समय से हो रही थी, पर कोरिया की स्थानीय पुलिस कार्यवाही को लेकर निकम्मी साबित हो रही थी, जिसे लेकर आईजी सरगुजा ने मामले को गंभीरता से लिया और सूरजपुर की एक टीम गठित करके कार्यवाही के लिए 12 जनवरी को भेजो जहां पहले चार से पांच पुलिस वाले बांसबाड़ी में पहुंचे और वहां से वह पैदल क्रेशर तक पहुंचे जहां पर देखा कि संख्या बहुत अधिक है जिसके बाद और बाल को बुलाया गया, जब कुछ और पुलिसकर्मी आ गए तब शाम के 7 से 8 बजे के बिच क्रेशर में छापामारी की गई पुलिस बल की संख्या 20 से 22 बताई जा रही है, पर वही क्रेशर में 80 से 100 जुआरी थे यही वजह थी कि सिर्फ 26 जुआरी ही पकड़ पाए,बाकी जुआरी भाग गए, यह तो बात समझ में आ गई पर वही रकम कम पकड़ना कहीं ना कहीं कार्रवाई करने वाले पर संदेह उत्पन्न करता है, क्योंकि वहां पर 25 से 30 लाख का जुआ संचालित हो रहा था पर सिर्फ डेढ़ लाख की पुलिस बरामद कर पाई 26 की संख्या। कई बार इस मामले को लेकर खबर भी प्रकाशित की गई थी पर जुआ संचालक को लाभ पहुचाने छुटपुट कार्रवाई की गई थी, वहीं क्रेशर संचालक के ऊपर अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं होने की जानकारी आई है, जबकि उसे क्रेशर में कई बार कार्रवाई हो चुकी है इसके बावजूद सिर्फ जुआ में पकड़ने वाल पर ही कार्रवाई होती है, क्रेशर संचालक बार-बार बच निकलता है।

सूरजपुर के साइबर टीम बहुत अधिक भरोसेमंद नहीं

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूरजपुर की साइबर टीम बहुत अधिक भरोसेमंद नहीं है,क्योंकि यह भी जुआ के मामले में दूध की धुली हुई नहीं है, यह भी एक सिंडिकेट के लिए काम कर रही है जिसका मुखिया है एस कुमार...एस कुमार को छोड़कर यह कार्रवाई अक्सर होती आ रही है, यहां तक की यह भी कहा जा रहा है कि एस कुमार के इशारे पर यह टीम कार्रवाई करती है, जिस फड़ से एस कुमार के फड़ पर जुआरी नहीं पहुंचते हैं उस फड़ पर कार्यवाही एस कुमार इस टीम को बोल कर करा देता है, एस कुमार का पैसा सूरजपुर के स्पेशल टीम तक भी पहुंचता है प्रभारी से लेकर नीचे के सिंह, पटेल, यादव तक उनका हिस्सा समय से पहुंच जाता है, सिंडिकेट के मुखिया के लिए यह काम करते हैं ताकि सिंडिकेट का जुआ सिर्फ चल सके बाकी लोगों का जुआ बंद रहे।

आईजी यदि सूरजपुर की जगह अंबिकापुर की टीम भेजते तो 20 लाख से काम का कैश बरामद नहीं होता

सूत्रों का दावा है कि यदि सरगुजा आईजी सूरजपुर की जगह अंबिकापुर की टीम भेजते तो अब तक का सबसे बड़ा जुआ पकड़ने की सफलता मिलती, 20 लाख से काम का पैसा बरामद नहीं होता, साथ ही 50 से काम जुआरी नही पकड़े जाते, वही सिडिकेट का मुखिया एस कुमार भी पकड़ा जाता है, पर कहीं ना कहीं सूरजपुर की विशेष टीम को भेज कर बड़ी सफलता से चूक गई पुलिस, इस कार्यवाही से सिर्फ कोरिया पुलिस की बदनामी ही समझ में आई बाकी वह कार्यवाही जो हो सकती थी उसके लिए यह बहुत अच्छा मौका था जिससे पुलिस चूक गई यह कहना गलत नहीं होगा।

क्या सूरजपुर की स्पेशल टीम जुआ के सिंडिकेट के साथ मिली हुई है?

सूत्रों का कहना है कि सिंडिकेट के मुखिया से स्पेशल टीम की साठगांठ है,यही वजह है कि हर बार कार्यवाही होने पर सिंडिकेट का मुखिया बच निकलता है,क्योंकि उससे पहल से उसे यह बात की जानकारी हो जाती है की कार्यवही होने वाली है, सिंडिकेट का मुखिया एस कुमार पूरे क्षेत्र में सिर्फ सिंडिकेट जुआ संचालित करने वाले व्यक्ति बनना चाहता है, पूरे सिंडिकेट को वह चलाना चाहता है जिस वजह से बाकी जगहों के जुआ फड़ पर कार्यवाही भी करवा देता है, ताकि उसके जुआ फाड़ पर सिर्फ लोग आए जहां पर खेलने की आजादी हो और कार्यवाही का डर ना हो। यहां तक की बाकी जगहों पर चल रहे जुआ पर कार्यवाही करता हैं।

क्या सूरजपुर की स्पेशल टीम पर भी होगी कार्यवाही जो सिंडिकेट के मुखिया के साथ ढाबा में खा रहे थे खाना ?

सूत्रों का कहना है की कार्यवाही के बाद स्पेशल टीम एक ढाबे में बैठकर सिंडिकेट के मुखिया के साथ खाना खा रही थी, आखिर ऐसा क्या दोनों के बीच संबंध है जिसे लोग जुआ का संचालक व सिंडिकेट कहते हैं उसके साथ बैठकर स्पेशल टीम का खाना खाना क्या संदेह को उत्पन्न नहीं करता? कार्यवाही के बाद सिंडिकेट के मुखिया व पुलिस टीम खाना खाना पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं पुलिस की इस वजह से बदनामी भी हो रही है पर क्या इस पर संज्ञान लेते हुए अधिकारी इस टीम को बदलेंगे और इस टीम में उन ईमानदार लोगों को रखेंगे जो निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही करके पुलिस प्रशासन की ख्याति को बनाए रखें?

सीएसपी का कौन खास कर्मचारी है जो करवाता था सेटिंग

सूत्रों का कहना है कि सीएसपी कार्यालय में एक सिविलियन कर्मचारी है जो एनीटाइम बिना वर्दी के घूमता है और जुआरी से सेटिंग करना उसका काम है,इस बार भी बैकुंठपुर व पटना थाना की सेटिंग सहित अपने अधिकारी की सेटिंग करा कर कार्यवाही न होने का भरोसा दीलाकर जुआ फड़ संचालित कर रहा था पर उसे भी इस बात की भनक नहीं थी कि ऊपर से ही कार्यवाही हो जाएगी। इस कर्मचारीका नाम इलियास बतया जा रहा है।

जिस फ़ोटो का इंतजार था वह फ़ोटो आगई

फ़ोटो आने के बाद सम्बन्ध क्या मधुर होंगे ?

- कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष के निर्वाचन के बाद एक ही सवाल था कि जिलाध्यक्ष व स्थानीय विधायक के बीच सामंजस कैसे बैठेगा?

- रवि सिंह -
कोरिया,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जो तस्वीर अभी आई है यह तस्वीर का इंतजार कोरिया जिला के जिलाध्यक्ष के निर्वाचन के बाद से ही हो रहा था, यह तस्वीर कई मानो में महत्वपूर्ण है यह तस्वीर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तस्वीर तो ऐसे नेताओं की है जो एक तो वर्तमान में स्थानीय विधायक हैं और वरिष्ठ भी है, वहीं तस्वीर में दूसरा व्यक्ति नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष की है इन दोनों के बीच संबंधों की बात करें तो तकरार वाले संबंध को लेकर जाने जाते हैं, पर अब दोनों महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं अब ऐसे में अभी भी तकरार जारी रहेगा या फिर आपसी सामंजस के साथ गाड़ी आगे चलेगी? जिस दिन जिलाध्यक्ष का निर्वाचन हुआ उसे दिन स्थानीय विधायक का बधाई ना आना तकरार को आगे चलने की और इशारा था, वही निर्वाचन के बाद जिलाध्यक्ष ने स्थानीय विधायक के साथ तस्वीर साझा कर दी, जिसके बाद कई तरह के सवाल खड़े हो गए, क्या आपसी तकरार खत्म करके जिलाध्यक्ष व विधायक समंजन स्थापित कर भाजपा को मजबूत करेंगे? और गांव से लेकर शहर तक भाजपा की सरकार बनाएंगे? या फिर सिर्फ यह तस्वीर लोगों को दिखाने के लिए ही रह जाएगी? इसके मन सब अलग-अलग तरीके से निकलेंगे।

बैकुंठपुर के विधायक भईयालाल राजवाड़े काफी सुलझे हुए विधायकों में शुमार है वही देवेंद्र तिवारी मधुर वाक्यपटुता के लिए जाने जाते हैं, इन दोनों के बीच यदि दूरियां थी तो उसकी वजह सिर्फ राजनीति मानी जा रही है, जहां देवेंद्र तिवारी विधायक के दावेदार अपने आप को कई बार साबित करने का प्रयास किया तो वहीं उन्होंने कई बार स्थानीय विधायक पर कई जगह समर्थन या उनका सपोर्ट न करने का आरोप भी चर्चाओं में रहा, वैसे देवेंद्र तिवारी भाजपा के नेता है और वही स्थानीय विधायक भईयालाल राजवाड़े बीजेपी से तीन बार के विधायक है, उनकी राजनीति पृष्ठभूमि उनके स्वयं की बनाई हुई है और उन्होंने अपने जन सरोकार नीचे से चुनाव लड़ते हुए इस पायदान तक पहुंचे है, वही देवेंद्र तिवारी उतना संघर्ष तो नहीं किया पर वह भी अपनी और से भाजपा के लिए तमाम तरीके से संगठन के मध्यम व आरएसएस के माध्यम से काम करते नजर आए, इन दोनों के बीच सिर्फ आपसी तकरार सुनी सुनाई ही रही है, एक दूसरे को ना पसंद करना और एक दूसरे के लिए दूसरे के बातों में आकर निर्णय लेकर लंबे समय से तनाव व तकरार पाल रखा है, पर वही अब दोनों ही महत्वपूर्ण पद पर बैठे हैं, जहां एक तरफ देवेंद्र तिवारी नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष हैं तो वहीं भईयालाल राजवाड़े तीसरी बार के विधायक है और दोनों का सामंजस इस बार भाजपा को काफी मजबूत कर सकता है, अब देखना यह है कि दोनों के बीच की तकरार कैसे खत्म होगी? खत्म होगी भी कि नहीं होगी? क्योंकि राजनीतिक समीकरण में पार्टी में कुछ ऐसे भी लोग हैं जो नहीं चाहेंगे कि यह तकरार खत्म हो और दीमक की तरह पार्टी को भी नुकसान पहुंचाते रहे?

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. आगामी तिथि-17-01-2025

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक ललित कुमार साहू आ0 फुलचंद साहू उम्र लगभग 36 वर्ष जाति तेली, निवासी सोनपुर, पो0 पटना कोट थाना सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि अनावेदक/दानकर्ता के नाम से सूरजपुर रा0नि0मं0 नजूल सूरजपुर के नगर पालिका वार्ड नंबर 17 में प्लाट नम्बर 2119/2 रकबा 663 वर्गफीट नजूल भूमि स्थित है। जिस आवेदक/दानग्रहीता के पक्ष में पंजीबद्ध दानपत्र दिनांक 19/12/2024 के माध्यम से आवेदक/दानग्रहीता को दान कर दिया गया है। उक्त भूमि का नामांतरण आवेदक/दानग्रहीता के पक्ष में किए जाने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 17/1/2025 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंधमें कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

(सील) नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा, वृत्त सोहगा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. अ-6-अ/24-25

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदकगण विफल आ0 दीना व अन्य 02 निवासी ग्राम सखौली जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है तहसील दरिमा, कि आवेदक के स्वामित्व की ग्राम नवानगर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 554, 724,725,726 क्रमशः 0.20, 0.20,0.02, 0.06 हे0 कुल रकबा 0.48 हे0 भूमि के राजस्व रिकार्ड में रकबा आवेदक क्रमांक 01 के पिता तथा आवेदक क्रमांक 02 व 03 के दादा दीना का नाम राजस्व रिकार्ड में त्रुटिवश छूट गया है। जबकि उक्त भूमि पर आवेदक क्रमांक 01 के पिता व आवेदक क्रमांक 02 व 03 के दादा का नाम अनावेदकगण के साथ दर्ज होना चाहिये था। आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि पर अनावेदकगण के साथ आवेदकगण का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार/संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्म जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार
(सोहगा क्षेत्र) दरिमा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सपन कुमार सेन आ0 स्व0 स्व0 अभिसेन, जाति कायस्थ,निवासी ग्राम शिवनंदनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम शिवनंदनपुर प0ह0नं0 02, रा0नि0मं0 विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 274/10 रकबा 0.016 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/अपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/01/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया

(सील) विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

बालको ने भारतीय मानक ब्यूरो के सहयोग से युवाओं में नवाचार को दिया बढ़ावा

- संवाददाता -
कोरबा,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कलिंगा विश्वविद्यालय (केआईटी) और केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सीआईपीईटी) में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के 78वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। रायपुर में आयोजित दो दिवसीय मानक कार्निवल में विभिन्न स्कूल के 1,200 से अधिक छात्रों को उद्योग के बारे में जानकारी दी गई। कार्निवाल के आयोजन ने रोजमर्रा की जिंदगी में गुणवत्ता और मानक के महत्व के बारे में जानकारी का मंच प्रदान किया। कार्निवल में इंटरैक्टिव गेम, क्विज़, प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दैनिक जीवन में गुणवत्ता चेतना के महत्व पर जोर दिया। आकर्षक स्टॉल के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा के साथ उद्योग की समझ को बढ़ावा दिया। गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने और छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की ओर प्रोत्साहित करने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि युवा भारत के भविष्य निर्माता हैं। बालको उन्हें आत्मविश्वास और जानकारीपूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और अनुभव प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह पहल वैज्ञानिक रूप से इच्छुक, गुणवत्ता के प्रति जागरूक पीढ़ी को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है जो देश के विकास में योगदान देती है। कंपनी युवाओं के लिए विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। अगली पीढ़ी के लीडर नेताओं और नवोन्मेषकों को पोषित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। युवाओं को सफल होने के लिए संसाधन और अवसर प्रदान करके, बालको राष्ट्र के लिए एक उज्जवल एवं सस्टेनबेल भविष्य का निर्माण कर रहा है।

ज्यादा हेकड़ी दिखाओगे तो पुलिस बुलाकर फेकवा दूंगा', भाजपा के उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन का महिलाओं के प्रति बिगड़े बोल

- संवाददाता -
कोरबा, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने फ्लोरा मैक्स कंपनी के फ्रॉड से पीड़ित महिलाओं पर आपा खोकर कुछ ऐसा कह दिया कि प्रदेश की सियासत काफी गरमा गई है। विपक्ष के नेताओं समेत आम जनता भी उनके महिलाओं के प्रति व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहे हैं। बता दें की हाल ही में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और आदिम जाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम कोरबा में आयोजित एक आदिवासी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने फ्लोरा मैक्स कंपनी के फ्रॉड से पिड़ित महिलाओं पर आपा खोकर कुछ ऐसा कह दिया कि प्रदेश की सियासत काफी गरमा गई है। मंत्री जी शायद भूल गए के सामने नगर निकाए एवं पंचायत चुनाव है एवं चुनाव मे महिलाओं की अहम् भूमिका होती है। उनके बोल से विपक्ष के नेताओं समेत आम जनता भी महिलाओं के प्रति किए गए व्यवहार की कड़ी निंदा कर रहे हैं। बता दें, हाल ही में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और आदिम जाति कल्याण मंत्री राम विचार नेताम कोरबा में आयोजित एक आदिवासी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

इसी दौरान लगातार 05 दिन से धरना प्रदर्शन कर रही फ्लोरा मैक्स के फ्रॉड से पीड़ित महिलाओं ने हजारों की संख्या में मंत्री देवांगन की गाड़ी को घेर लिया और अपनी समस्या का समाधान मांगने लगी। पुलिस सिक्योरिटी की काफी कोशिशों के बाद भी महिलाएं वहां से नहीं हटी। इस दौरान लगभग 3 घंटे पीड़ित महिलाओं के घेराव में रहने एवं उनके टस से मस न होता देख मंत्री लखनलाल देवांगन आक्रोषित होकर अपना आपा खो दिया और कहा कि ÷चुपचाप रहो.. शांति से बात कर रहे हैं, शासन प्रशासन सहयोग कर रहा है, ÷ ज्यादा हेकड़ी दिखाओगी तो पुलिस बुलाकर फेंकवा दूंगा÷

सर्वमंगला पुलिस ने छेरछेरा पर्व पर राहगीरों को यातायात नियमों का पालन करने चलाया अनोखा अभियान

- संवाददाता -
कोरबा,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा में सर्वमंगला चौक पर छेरछेरा पर्व के अवसर पर सर्वमंगला पुलिस द्वारा एक अनोखा अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सर्वमंगला चौकी के प्रभारी विभव तिवारी और उनके मातहत कर्मचारियों ने यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले राहगीरों को गुलाब फूल भेंट कर यातायात नियम पालन करने हेतु निवेदन किया । उन्होंने इस दौरान समझाया की यातायात नियमों का एक व्यक्ति के जीवन मे कितना महत्व है साथ ही बताया गया की यातायात नियमों का पालन करने पर वे स्वयं सुरक्षित रहेंगे। पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित यातायात के महत्व के बारे में बताना है। विभव तिवारी ने कहा कि यह अभियान न केवल यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि, लोगों को सुरक्षित यातायात के महत्व के बारे में भी जागरूक करेगा।

राजधानी रायपुर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव के हाथों सम्मानित हुए ट्रैफिक मैन महेश मिश्रा

- संवाददाता -
कोरिया,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के अवसर पर राजधानी के मेयफेयर रिजॉर्ट नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित न्यूज़ के नेशनल रोड सेफ्टी मेगाकांक्लेव सड़क सुरक्षा अभियान पर खास कार्यक्रम, सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर पर परिचर्चा के आयोजन में छत्तीसगढ़ राज्य में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जन जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर अतिरिक्त परिवहन आयुक्त पुलिस अधीक्षक डी. रविशंकर, सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात संजय शर्मा एवं कोरिया जिले के यातायात में पदस्थ लांस नायक महेश मिश्रा को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि लांस नायक महेश मिश्रा निःस्वार्थ भाव से निरंतर यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने हेतु न केवल जिले में बल्कि पूरे प्रदेश एवं देश स्तर पर जाने जाते हैं और छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा अन्य राज्यों में भी यातायात जागरूकता अभियान संचालित करते रहे हैं। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं परिवहन सचिव आईएएस श्री एस. प्रकाश के हाथों सम्मान प्राप्त करने के उपरांत श्री मिश्रा ने आग्रह किया कि लोग अपनी जीवन रक्षा के लिए नियमों का पालन करें यातायात नियमों का पालन करने पर गर्व की अनुभूति करें ना कि नियम तोड़कर अपनी बहादुरी साबित करने का प्रयास,वाहन चालन एवं पीछे सवार होने की स्थिति में केवल हेलमेट और सीट बेल्ट का धारण कर चलने से सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में 40त्र की कमी आती है। वाहन दुर्घटना अपने आप नहीं हुआ करती आपकी जरा सी लापरवाही किसी की जान ले सकती है, नियमों का पालन करें खुद सुरक्षित रहें औरों को भी सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान करें।

मनरेगा अधिकारी के तबादले पर विवाद, प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल

- सोनू कश्यप -
प्रतापपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर प्रतापपुर जनपद पंचायत में कार्यरत मनरेगा अधिकारी का तबादला हाल ही में एक विवाद का विषय बन गया है। यह अधिकारी पिछले 6 वर्षों से प्रतापपुर में पदस्थ हैं, और दो वर्ष पहले उनका ट्रांसफर प्रेमनगर किया गया था। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कुछ राजनीतिक सेटिंग्स के माध्यम से रातों-रात पुनः प्रतापपुर में अपनी पदस्थापना करवा ली है।

चयनित अधिकारियों के लिए एक कार्यालय में तीन साल से अधिक समय तक रहना संभव नहीं होता, लेकिन इस अधिकारी ने अपने स्थानांतरण को एक नए विवाद का कारण बना दिया है। इसके अलावा, यह अधिकारी प्रतापपुर के ही स्थानीय निवासी हैं, जिससे उनके चुनावी प्रभाव की संभावना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। आगामी पंचायत और नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर इस फैसले का असर चुनावी प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि ऐसे निर्णय से न केवल सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि यह संभावित चुनाव परिणामों को भी प्रभावित कर सकता है। प्रशासन और चुनाव आयोग को इस पर नजर रखने की जरूरत है ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

यह मामला प्रशासनिक पारदर्शिता और तंत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करता है।

सोमवार को जनदर्शन 12:00 बजे, समस्याओं के निदान के लिये आवेदक पहुँचे नियत समय पर

» संयुक्त जिला कार्यालय, कक्ष क्र. सी-05/26 (भू-तल) पर लग रहा है जनदर्शन

- संवाददाता -
सूरजपुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के लोक पर्व छेरछेरा पर शासकीय अवकाश के चलते 13 जनवरी सोमवार को जनदर्शन नहीं हुआ। आगामी सोमवार 20 जनवरी को कलेक्टर जनदर्शन, नियत अपने निर्धारित कक्ष संयुक्त जिला कार्यालय अंतर्गत कक्ष क्र. सी-05/26 (भू-तल) पर लगेगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले के समस्त जिलेवासियों से अपील है कि वो सोमवार को निर्धारित कक्ष में, उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। कलेक्टर जनदर्शन के लिए दोपहर 12:00 बजे का समय निर्धारित है।

नशे के विरूद्ध आमजनों व वाहन चालकों को किया गया जागरूक

» यातायात नियमों का पालन करने दी गई समझाईश

- संवाददाता -
सूरजपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ''नवजीवन'' अभियान के तहत आमजनों को नशे के विरूद्ध जागरूक करने एवं नशीले पदार्थो से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार, 13 जनवरी को चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी के द्वारा अम्बिकापुर-बनारस मार्ग के ग्राम लटोरी में अभियान नवजीवन के तहत ग्रामीणों एवं छत्तीसगढ़ ड्राईवर महासंगठन के सदस्यों की उपस्थिति में वाहन चालकों को नशा कर वाहन न चलाने, नशा व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक व शारीरिक विकास को किस प्रकार बाधित करता है उसकी जानकारी दी। चौकी प्रभारी ने ग्रामीणों व वाहन चालकों को कहा कि नशा कर ड्राईविंग करने वाला व्यक्ति अपनी सुध-बुध खो देता है ऐसी स्थिति में सड़क दुर्घटना की संभावना प्रबल रहती है, नशा कर वाहन न चलाने की समझाईश दी और नशा कर गाड़ी चलाते पकड़े जाने पर गाड़ी की जप्ती और सख्त कार्यवाही करने की जानकारी देकर नशा मुक्त समाज के लिए संकल्पित किया।

इस दौरान चौकी प्रभारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें ताकि दुर्घटना से बचा जा सके, बाईक चलाते समय हेलमेट का उपयोग अवश्य करने, हेलमेट का उपयोग नहीं करने से दुर्घटना के समय सिर में चोट लगने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है इससे बचाव के लिए हेलमेट धारण किया जाना आवश्यक है क्योंकि हमारी सुरक्षा से पूरे परिवार की सुरक्षा भी जुड़ी होती है। कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और ओव्हर स्पीडिंग न करने की समझाईश दी। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार तुरंत निकटतम अस्पताल ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया।

अचीवमेंट कान्वेंट स्कूल प्रतापपुर में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

- संवाददाता -
प्रतापपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

श्री सोहन रामानंद दे एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित स्कूल अचीवमेंट कान्वेंट स्कूल प्रतापपुर के प्रांगण में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन बच्चों ने बढ़ चढ़कर अपनी रुचि दिखाई अभिभावकों की रुचि भी देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भारत नाग प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं डी के कुजूर प्राचार्य शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र दीप प्रज्वलन के साथ हुआ इसके साथ ही बच्चों के द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के विज्ञान प्रदर्शनी का अतिथि एवं अभिभावकों ने निरीक्षण किया । बच्चों ने विभिन्न प्रकार के मॉडलों के द्वारा अभिभावकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जिसमें एटीएम मशीन,चंद्रयान3, हावड़ा ब्रिज , रोबोट, एयर कूलर, प्रतापपुर सिटी, पॉल्यूशन सिटी, डे एंड नाइट आदि अनेक प्रकार के मॉडलों ने अतिथियों एवं अभिभावकों के दिल में अपनी जगह बनाई इसी कड़ी में श्री भरत नाग जी द्वारा अपने उद्बोधन में यह कहा सभी विद्यार्थी देश के भावी वैज्ञानिक हैं। उन्होंने कहा कड़ी मेहनत से हम सब कुछ हासिल कर सकते हैं मेहनत ही है जो हमें सफलता दिलाती है। कार्यक्रम का संचालन संस्था के डायरेक्टर श्री रामानंद के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी मरावी, अधिवक्ता श्री प्रवीण चौबे जी, समिति मेंबर राहुल जायसवाल जी, साजिद खान जी, एंड मिसेज गुप्ता, राकेश मित्तल जी, एलेक्सिस कुजूर जी, शैलेश जयसवाल जी, को सफल बनाने में प्राचार्य सीमा डे के साथ सुश्री शारदा कुर्रे ,अनीता राजवाड़े, बिंदी राजवाड़े, नाज रंगशाज़ ,फरजाना जुवारो शांडिल्य, शर्मिला पैकरा, ज्योति देवांगन,ननकेशवर राजवाड़े,नितेश कुमार मिंज, एवं भैसामुडा ब्रांच शिक्षक सुष्मिता तिवारी,रोशनी तिर्की,रीना वर्मा,प्रियंका,विकास सोनी,उर्वशी राजवाड़े,लीलावती सिंह,संगीता राजवाड़े, आरती राजवाड़े

इन बच्चों ने भाग लिया कक्षा पहली = अयान रजक - (मैप इन इंडिया), राजवीर-(घर), रितिका- स्कूल अतिक्ष- (वॉटर डिस्पेंसर मशीन), ईशान और लोकेश- (पक्का घर),अपर्णा और वंशिका- (घर), हसनैन, उमैर, अरशद, लव कुमार, आर्यन, अंकुश - (पार्ट्स ऑफ़ प्लांट)

कक्षा दूसरी- नव्या सिंह - (घर), नायरा सिंह - (घर), शौर्य और ग्रुप - (विंडमिल), आसिफ और ग्रुप - (वाटर साइकिल)

कक्षा तीसरी आफरीन, परवीन, गुनगुन दास, कृति सोनी खुशबू निशा- (वाटर साइकिल), उर्वशी, हर्षिका, रजिया खातून, साकिया नूरी - (रेस्पिरेटरी सिस्टम), दिव्यांश चौबे - (एयर कूलर) , स्पर्श जायसवाल - (फोटोसिंथेसिस), उज्जवल जायसवाल - (वॉटर प्युरीफिकेशन), अरहम अंसारी, हरीश सिंह, प्रिंस और नुरैन - (विंडमिल) कक्षा चौथी= अलीना फातिमा, अदिबा, प्रिया, कृति और वैश्वनि - (द रिवॉल्यूशन ऑफ़ द अर्थ) , स्मृति गिरी, जाह्नवी - (हाउस), बुशरा परवीन - (ग्रीन हाउस),आफसीन परवीन - (ह्यूमन आई एंड ब्रेन), प्राची तिवारी - (एक्स्क्रेटरी सिस्टम), साफरीन शाहीन - (डे एंड नाइट), नितेश तोमर, लक्ष्य जायसवाल, लक्ष्यराज लहरे, अवी, अतीक, हसनैन - (विंडमेल) कक्षा पांचवी- आकर्शा, हर्ष और रणवीर - (फेस ऑफ़ मून), अरीबा,पावनी और आरिस - (लुनार एक्लिप्स और सोलर एक्लिप्स), तरन्नुम - (लेयर्स ऑफ़ एटमॉस्फेयर)

कक्षा छठवीं - सोहम,दानिश, रुद्रांश और मुनाफ - (रोबोट, चंद्रयान-3, शिप, वोल्कानो और हेलीकॉप्टर) सनाया,आयसा,जैसलिन,तन्वी और आराध्या - (डे नाइट , पोल्यूटेड सिटी एंड क्लीन सिटी, सीजंस), अर्नेश कुजूर, जसवंत, फैजान, ज्ञानेश्वर और मतलूब - (मॉडल ऑफ हावड़ा ब्रिज, लिफ्ट, वाटर पंप और स्मोकर),

कक्षा सातवीं और आठवीं = पीयूष निराला - (एयर कूलर), वैभव सिंह - (वैक्यूम), आराध्या यादव - (ह्यूमन आई), आशी कुशवाहा - (ह्यूमन हार्ट), चांदनी लकड़ा - (होलोग्राम), आफरीन, दिति और रिंपी - (पोल्यूटेड सिटी), जायद अंसारी - (एटीएम), जायद, अंश मेहता और ग्रुप - (प्रतापपुर सिटी), शिवम गुप्ता - (स्टेथोस्कोप और मिनी एटीएम) भैसमुंडा से भाग लेने वाले बच्चे - ऋषभ - (रैन वॉटर हार्वेस्टिंग) अभिषेक - (इलेक्ट्रिक बेल),अस्मित - (वॉटर फिल्टर), मयंक (ट्रैफिक लाइट) और निदा - (सोलर एनर्जी) सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चे - रितिका, महेश्वरी और ग्रुप

70 किलो गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार,टाटा जेस्ट वाहन जब्त

- संवाददाता -
बलरामपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। चौकी बलंगी पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान तीन आरोपियों को 70 किलो गांजा और एक टाटा जेस्ट कार सहित गिरफ्तार किया। जब्त मादक पदार्थ और वाहन की कुल कीमत लगभग साढ़े 15 लाख रुपये आंकी गई है।

जानकारी अनुसार, चौकी प्रभारी बलंगी उप निरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह अपने स्टाफ के साथ मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के तुगवां बार्डर पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान, वाड्रफनगर की ओर से आ रही सफेद रंग की टाटा जेस्ट कार UP 70 EJ 9555 को रोका गया। वाहन चालक और उसमें बैठे व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर वाहन की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान कार की डिग्गी में खाकी रंग के सेलो टेप से पैक 69 पैकेट गांजा बरामद किया गया। वजन करने पर गांजे का कुल वजन 70.180 किलोग्राम निकला। आरोपियों से पूछताछ में वैध दस्तावेज नहीं पेश किए गए। पुलिस ने लाल सिंह 43 वर्ष निवासी बालसनचौराहा, थाना जार्ज टाउन, जिला प्रयागराज, उत्तर प्रदेश (वाहन चालक/स्वामी), सुरेशचंद जायसवाल 52 वर्ष निवासी रैपुरा, थाना करछना, जिला प्रयागराज, उत्तर प्रदेश और पवन कुमार यादव 30 वर्ष निवासी बालसनचौराहा, थाना जार्ज टाउन, जिला प्रयागराज, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से जप्त गांजा 70.180 किलोग्राम, अनुमानित कीमत साढ़े 10 लाख रुपये है।

आरोपियों के खिलाफ धारा 20 (बी) नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बलंगी उप निरीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह और उनके स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा। पुलिस प्रशासन ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई जारी रखने का आश्वासन दिया है।

भाजपा की सरकार ने पूरे प्रदेश में षडयंत्र पूर्वक ओबीसी के आरक्षण में कटौती किया है:भगवती राजवाड़े

- संवाददाता -
सुरजपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ओबीसी आरक्षण शून्य करने के विरोध में जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध किया गया है बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण प्रावधानों किए गए दुर्भावना पूर्वक संशोधन के चलते अधिकांश जिला और जनपद पंचायतों में ओबीसी आरक्षण खत्म हो गया है प्रदेश के 16 जिला पंचायत और 85 जनपदों में जहां पहले 25 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हुआ करती थी अब अनुसूचित क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण लगभग खत्म हो गया है मैदानी क्षेत्रों में अनेकों पंचायतें ऐसी है जहां पर लगभग 90 से 99 प्रतिशत आबादी ओबीसी की है लेकिन वहां पर भी ओबीसी के लिए सरपंच का पद आरक्षित नहीं है पंचों का आरक्षण भी जनसंख्या के अनुपात में कम है पूर्व में ओबीसी के लिए आरक्षित ये सभी सीटें अब सामान्य घोषित हो चुकी है साय सरकार के द्वारा आरक्षण प्रक्रिया के नियमों में किए गए दुर्भावना पूर्वक संशोधन के बाद अनुसूचित जिले और ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य जनपद सदस्य और पंचों का जो भी पद अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित था वह अब सामान्य सीटे घोषित हो गई है बस्तर और सरगुजा संभाग में आरक्षित वर्ग को बड़ा नुकसान है सरगुजा संभाग के पांच जिले अंबिकापुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ, चिरमिरी,भरतपुर सोनहत, बस्तर के 7 जिले बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, दंतेवाडा, नारायणपुर, सुकमा,बीजापुर सहित मानपुर मोहला,जशपुर,गैरोला पेंड्रा मरवाही और कोरबा जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुछ बचा ही नहीं है इस सरकार के द्वारा स्थानीय निकाय (त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय) चुनाव में आरक्षण के प्रावधानों में जो षडयंत्र पूर्वक ओबीसी विरोधी परिवर्तन किया है उसके परिणाम सामने हैं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 के लिए जिला पंचायत,जनपद पंचायत,सरपंच और पंचों के आरक्षण में ओबीसी के हक और अधिकारों में बड़ी डकैती इस सरकार ने की है त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं में रायपुर जिला पंचायत में 16 क्षेत्रों में से केवल 4 ओबीसी के लिए आरक्षित है बिलासपुर जिले में सदस्यों के 17 में से केवल एक क्षेत्र क्रमांक 1 में ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है,ओबीसी पुरुष के लिए 17 में से एक भी सीट आरक्षित नहीं है इसी तरह बिलासपुर जिले के चार जनपद पंचायत में दो जनपद पंचायत अध्यक्ष के पद अनुसूचित जाति महिला,एक अनारक्षित महिला और एक जनपद अध्यक्ष का पद अनारक्षित मुक्त रखा गया है ओबीसी के लिए बिलासपुर जिले के अंतर्गत चार जनपद पंचायतों में से एक भी जनपद पंचायत अध्यक्ष का पद ओबीसी के लिये आरक्षित नहीं है भारतीय जनता पार्टी की सरकार के बदनियति से चलते अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार चुनाव लड़ने से वंचित हो गए हैं स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण के संदर्भ में साय सरकार ने जो दुर्भावना पूर्वक संशोधन किया है वह ओबीसी वर्ग के साथ अन्याय है,अत्याचार है बस्तर,सरगुजा और बिलासपुर संभाग में ओबीसी वर्ग के लिए कुछ बचा ही नहीं जबकि यहां बड़ी आबादी ओबीसी वर्ग की है भाजपा सरकार ने दुर्भावना पूर्वक संशोधन करके पिछड़ा वर्ग के प्रतिभागियों के अधिकार को कुचल दिया है भारतीय जनता पार्टी का मूल चरित्र ही आरक्षण विरोधी है,जब ये विपक्ष में थे तब विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित छत्तीसगढ़ नवीन आरक्षण विधेयक को रोका जिसमें अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग को 14 से बढ़कर 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान था 2 दिसंबर को पारित यह विधेयक भाजपा के षडयंत्रों के चलते ही आज तक राजभवन में लंबित है अब स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण के नियमों में बदलाव करके ओबीसी अधिकारों में दुर्भावना पूर्वक कटौती किया गया है।

तातापानी महोत्सव में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आयोजित

- संवाददाता -
बलरामपुर, 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

तातापानी महोत्सव संक्रांति परब का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 14 जनवरी को करेंगे, इस दौरान मुख्यमंत्री के द्वारा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया जाएगा।

गौरतलब है कि अपने गर्म जल स्त्रोत एवं धार्मिक महत्व के कारण देश भर में विख्यात तातापानी में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर 14 से 16 जनवरी तक भव्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। यहां छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते हैं, जिसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किये गये हैं।

तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव में इस वर्ष मेला स्थल पर आरागाही हवाई पट्टी में पैरासेलिंग के साथ ही महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में स्कूली छात्र-छात्राओं व स्थानीय कलाकारों के अलावा आमंत्रित कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। तातापानी महोत्सव 2025 में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ देश के विभिन्न राज्यों के कलाकार भी शिरकत करेंगे, जहां विभिन्न प्रख्यात कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। तातापानी महोत्सव के पहले दिन 14 जनवरी को छत्तीसगढ़ के प्रख्यात गायिका गरिमा दिवाकर एवं टीम के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही स्कूली छात्र-छात्राएं भी अपनी प्रस्तुति देंगे। दूसरे दिन 15 जनवरी को बॉलीवुड के फेमस गायक मिथुन के द्वारा प्रस्तुति तथा छात्र-छात्राओं के द्वारा स्थानीय कला एवं संस्कृति की झलक को प्रदर्शित करते हुए ट्राइबल फैशन वॉक किया जाएगा। 16 जनवरी 2025 भोजपुरी कलाकार अक्षरा सिंह के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही भिलाई की इंडियन रोलर म्यूजिक बैंड भी अपनी कला का झलक प्रदर्शित करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिले में 172 करोड़ 83 लाख रुपए के197 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

- संवाददाता -
बलरामपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कल 14 जनवरी को तातापानी महोत्सव में विभिन्न विकास कार्यां के लोकार्पण, शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जिले में कुल 172 करोड़ 83 लाख रुपए के 197 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इसमें 43 करोड़ 14 लाख 78 हजार रुपए के 58 विकास कार्यों का लोकार्पण और 129 करोड़ 68 लाख रुपए के 139 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास शामिल है।

लोकार्पण अंतर्गत 43 करोड़ 14 लाख 78 हजार रुपए लागत राशि के 58 विकास कार्य शामिल है। जिसमें लोक निर्माण विभाग के 04 विकास कार्य लागत राशि 29 करोड़ 39 लाख 63 हजार रुपए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 06 विकास कार्य लागत राशि 01 करोड 45 लाख 75 हजार रुपए, जनपद पंचायत राजपुर के 02 कार्य लागत राशि 40 लाख रूपये, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के 45 विकास कार्य लागत राशि 7 करोड़ 58 लाख 40 हजार रुपए, पी ए म जी ए स वा ई बलरामपुर के लागत राशि 04 करोड़ 31 लाख रूपये के 01 कार्य शामिल है।

भूमिपूजन/शिलान्यास अंतर्गत 129 करोड़ 68 लाख रुपए लागत राशि के 139 विकास कार्य शामिल है। जिसमें ग्रामिण यांत्रिकी सेवा के 05 विकास कार्य लागत राशि 03 करोड़ 80 लाख रुपए 70 हजार, जल संसाधन विभाग रामानुजगंज के 12 विकास कार्य लागत राशि 46 करोड़ 36 लाख 83 हजार रुपए, जल संसाधन विभाग बलरामपुर के 05 विकास कार्य लागत राशि 14 करोड़ 33 लाख 52 हजार रूपये, पीएमजीएसवाई बलरामपुर के 14 विकास कार्य लागत राशि 23 करोड़ 35 लाख, पीएम जीएसवाई राजपुर के 26 विकास कार्य लागत राशि 37 करोड़ 04 लाख 25 हजार रूपये, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के 20 विकास कार्य लागत राशि 02 करोड़ 09 लाख 15 हजार रुपए, जनपद पंचायत बलरामपुर में राशि 02 करोड़ के 68 लाख 87 हजार के 23 विकास कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय तातापानी में स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर में पुजा-अर्चना पश्चात मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कराये जा रहे विवाह में सम्मलित होंगे। तत्पश्चात् विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए गए विकास कार्यों के प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित जिले के हितग्राहियों को सम्मानित करेंगे।

प्रेमबाग मंदिर में परशुराम भगवान के प्रतिमा का 3 फरवरी को होगा स्थापना

- संवाददाता -
बैकुंठपुर 13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर प्रेमबाग में स्थित परशुराम भगवान का मंदिर तैयार हो चुका है, अब इस मंदिर में प्रतिमा का स्थापना होना है जिसे लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है 3 फरवरी को विप्र समाज के लिए काफी हर्ष वाला दिन होगा, जब मंदिर में उनके आराध्य परशुराम भगवान की प्रतिमा स्थापित होगी, जिसे लेकर ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति कोरिया के अध्यक्ष अशोक पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रेमबाग में निर्मित मंदिर हमारे आराध्य देव भगवान परशुराम जी की प्रतिमा स्थापना की तिथि निर्धारित कर ली गई है, इसे लेकर पूर्व पूरे ब्राह्मण समाज में हर्ष का माहौल है और इस दिन का बेसब्री से इंतजार हो रहा है, कार्यक्रम के अनुसार 30/01/2025 कलश यात्रा / नगर भ्रमण, 31/01/2025 से 02/02/2025 तक समस्त अधिवास, दिनाँक 03/02/2025 को हमारे आराध्य देव भगवान परशुरामजी के प्रतिमा की स्थापना एवं महाप्रसाद वितरण किया जाएगा! इस पावन और बहु प्रतीक्षित अवसर में विप्र समाज सहित पूरे हिंदू परिवार को आमंत्रित किया गया है ताकि वह इस अवसर पर पहुंचे और इसके साक्षी बने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज करेंगे तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

» विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे शिलान्याय व लोकार्पण

- संवाददाता -
बलरामपुर,13 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

संक्रांति परब के अवसर पर तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री 172 करोड़ 83 लाख से अधिक की राशि के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। जिसमें रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 40 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 08 विकास कार्यों का लोकार्पण, सामरी विधानसभा क्षेत्र में 36 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 10 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में 29 विकास कार्यों का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तातापानी महोत्सव में सम्पन्न होने वाले मुख्यमंत्री सामुहिक कन्या विवाह योजनान्तर्गत 300 जोड़ों के विवाह समारोह में सम्मिलित होंगे तथा नव दंपतियों को आशीर्वाद देंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा विधानसभा रामानुजगंज में 269.51 लाख रुपये की लागत से पस्ता जलाशय के बांध व नहर का जीर्णोद्धार कार्य, 299.97 लाख रुपये की लागत से लेहड़ा डायवर्सन का सुधार एवं नहर लाईनिंग कार्य, 270.33 लाख रुपये की लागत से बनखेता जलाशय योजना का बांध एवं नहर सुधार कार्य, 222 लाख रुपये की लागत से पस्ता चिलमाखुर्द से बासीमुड़ा सड़क निर्माण कार्य, 134 लाख रुपये की लागत से लुरगी से बनखेतापारा सड़क निर्माण कार्य, 259 लाख रुपये की लागत से पाढ़ी सरगवां से दाहीडांड सड़क निर्माण कार्य, 146 लाख रुपये की लागत से सरगढ़ि से बिच्छीकरचा सड़क निर्माण कार्य, 98 लाख रुपये की लागत से मोखा से खुटानपारा सड़क निर्माण कार्य, 375 लाख रुपये की लागत से मोखा से धुनधारूपारा सड़क निर्माण कार्य, 160 लाख रुपये की लागत से सरगढ़ी से असनातला सड़क निर्माण कार्य, 354 लाख रुपये की लागत से लुरगी सरगढ़ी से जोरोपानी सड़क निर्माण कार्य, 195 लाख रुपये की लागत से खटवा बरदर से सेमरतला सड़क निर्माण कार्य, 59 लाख रुपये की लागत से पस्ता से सीतारामपुर सड़क निर्माण कार्य, 11.39 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास रामचन्द्रपुर में अहाता निर्माण कार्य, 12 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक बालक छात्रावास रामानुजगंज में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, 12 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक बालक आश्रम बगरा में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, 24.70 लाख रुपये की लागत से ग्राम त्रिकुण्डा में महतारी सदन निर्माण कार्य, 268.87 लाख रुपये की लागत से ग्राम घाघरा, बठौराखास, झलरिया, बरदर, खरसोता, बरौली, महाराजगंज, मानिकपुर, अधौरा, पुटसुरा, संतोषीनगर(स), संतोषीनगर, खैरवार टोला, सौनी, जवाहरनगर, डौरा, डूमरखोला, चमनपुर, तातापानी, जमुआंटांड, जाबर, मंगरहारा, नवाडीह में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री विधानसभा रामानुजगंज अंतर्गत 2158.01 लाख रुपये की लागत से केरता से बच्छराजकुंवर, मानपुर तक पुल-पुलिया सहित सड़क निमार्ण कार्य, 272.81 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में कन्या छात्रावास भवन व 272.81 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में बालक छात्रावास भवन निर्माण कार्य, 236 लाख रुपये की लागत से आईटीआई भवन बलरामपुर के निर्माण काय, 25.60 लाख रुपये की लागत से जिला चिकित्सालय में बर्न वार्ड का निर्माण कार्य, 50 लाख रुपये की लागत से बलरामपुर में वृद्धा आश्रम भवन का निर्माण कार्य 128.80 लाख रुपये की लागत से मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के 08 अतिरिक्त कक्ष निमार्ण कार्य, 431 लाख रुपये की लागत से झारा से तालकेश्वरपुर सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे।

इसी प्रकार विधानसभा सामरी के राजपुर में समग्र शिक्षा के अंतर्गत 56.49 लाख रुपये की लागत से 07 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, कुसमी में समग्र शिक्षा के अंतर्गत 24.21 लाख रुपये की लागत से 03 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, आदिम जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत 300 लाख रुपये की लागत से कुसमी, शंकरगढ़ तथा बलरामपुर में 29 नग अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, 290.09 लाख रुपये की लागत से चन्द्रनगर जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य, 266.19 लाख रुपये की लागत से डरकी जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य, 299.29 लाख रुपये की लागत से जवाहरनगर एनीकट का निर्माण कार्य, 299.49 लाख रुपये की लागत से गम्हारडीह जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य, 278.46 लाख रुपये की लागत से कमलापुर स्टाफ डेम का निर्माण कार्य, 263.78 लाख रुपये की लागत से मदनेश्वरपुर से मुढ़ेडांड तक सड़क निर्माण कार्य, 110 लाख रुपये की लागत से अमड़ीपारा से टूकू तक सड़क निर्माण कार्य, 58.17 लाख रुपये की लागत से ककना अखोरा रोड से कटईटीकरा तक सड़क निर्माण कार्य, 108.34 लाख रुपये की लागत से चांची से मुरगी तक सड़क निर्माण कार्य, 79.01 लाख रुपये की लागत से मेन रोड गागर नदी से उधेनुपारा तक सड़क निर्माण कार्य, 220.77 लाख रुपये की लागत से लाऊ से लकराढोढ़ी तक सड़क निर्माण कार्य, 147.59 लाख रुपये की लागत से घेरगड़ी से परसापानी तक सड़क निर्माण कार्य, 55.67 लाख रुपये की लागत से जोबलापारा से छेवपानी तक सड़क निर्माण कार्य, 207.28 लाख रुपये की लागत से पतरापारा से गेलहापानी तक सड़क निर्माण कार्य, 252.16 लाख रुपये की लागत से सेवारी से परसवाईन तक सड़क निर्माण कार्य, 194.60 लाख रुपये की लागत से शंकरगढ़ रोड से पण्डारी खूटापानी तक सड़क निर्माण कार्य, 129.32 लाख रुपये की लागत से मेन रोड शंकरगढ़ से खटंग कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 77.49 लाख रुपये की लागत से डांडखडुआ से कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 123.60 लाख रुपये की लागत से झिंगो मेन रोड से बहेराखाड तक सड़क निर्माण कार्य, 255.91 लाख रुपये की लागत से घोड़बंधा से गगोली कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 134.74 लाख रुपये की लागत से करवां से होलईपारा तक सड़क निर्माण कार्य, 150.51 लाख रुपये की लागत से अलखडीहा मेन रोड से डाहीडांड तक सड़क निर्माण कार्य, 163.39 लाख रुपये की लागत से अलखडीहा मेन रोड़ से खोडरो कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 129.71 लाख रुपये की लागत से कवडू से बेवरापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 78.68 लाख रुपये की लागत से पंचायत भवन कवडू से कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 206.20 लाख रुपये की लागत से मेन रोड से उरांवपारा से कोरवापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 114.54 लाख रुपये की लागत से कमारी से लोहराडांड तक सड़क निर्माण, 103.96 लाख रुपये की लागत से सरिमा से बनखेता पारा तक सड़क निर्माण कार्य, 49.31 लाख रुपये की लागत से हरगंवा से झलपी तक सड़क निर्माण कार्य, 218.95 लाख रुपये की लागत से पहरी से खुरोपारा तक सड़क निर्माण कार्य तथा 70.57 लाख रुपये की लागत से सिलफिली से पीयापारा तक सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन/शिलान्यास करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री विधानसभा सामरी के अंतर्गत 19.36 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्र डीपाडीह कला एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मदगुरी में 06-06 बिस्तरीय अतिरिक्त वार्ड का निर्माण कार्य, 28.51 लाख रुपये की लागत से कंदरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य, 72.28 लाख रुपये की लागत से कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 20 बिस्तरीय अतिरिक्त कक्ष तथा 10 बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड का का निर्माण कार्य, 20 लाख रुपये की लागत से बीजादामर मार्ग में पुलिया निर्माण कार्य, 20 लाख रुपये की लागत से केन्दलीपारा में पुलिया निर्माण कार्य, 579.60 लाख रुपये की लागत से मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत राजपुर, शंकरगढ़, कुसमी में 36 नग अतिरिक्त निर्माण कार्य का लोकार्पण करेंगे।

विधानसभा प्रतापपुर के अंतर्गत 636.50 लाख रुपये की लागत से गैना ठड़घटिया बांध निर्माण कार्य, 299.83 लाख रुपये की लागत से सरूवत जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य, 290.26 लाख रुपये की लागत से सरना जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य, 295.79 लाख रुपये की लागत से लोधी जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य, 289.74 लाख रुपये की लागत से सोनहत जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य, 1268.63 लाख रुपये की लागत से बंशधारी नाला पर व्यपवर्तन योजना का निर्माण कार्य, 298.42 लाख रुपये की लागत से वाड्रफनगर में अनुविभागीय अधिकारी उप संभाग एवं सिंचाई कालोनी का निर्माण कार्य, 293.61 लाख रुपये की लागत से मढ़ना जलाशय व नहर का जीर्णोद्धार कार्य, 124.24 लाख रुपये की लागत से जवराही जलाशय व नहर का जीर्णोद्धार कार्य, 172 लाख रुपये की लागत से अम्बिकापुर धनवार रोड से बुढ़ाडांड बैगापारा तक सड़क निर्माण कार्य, 77 लाख रुपये की लागत से महेवा बाजारपारा से कोटी दर्रीडीह तक सड़क निर्माण कार्य, 47 लाख रुपये की लागत से बसंतपुर खास से महुंआरीपारा तक सड़क निर्माण कार्य, 37 लाख रुपये की लागत से शारदापुर डूबापारा से भंवरखाड तक सड़क निर्माण कार्य, 17.70 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास बरतीकला, वाड्रफनगर व इंजानी में भवनों के अनुरक्षण एवं वार्षिक मरम्मत कार्य, 17.90 लाख रुपये की लागत से अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम रामनगर में अतिरिक्त कक्ष एवं भवनों के अनुरक्षण एवं वार्षिक मरम्मत कार्य, 05 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम कोगवार में स्नानागार एवं शौचालय निर्माण कार्य, 12 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक बालक छात्रावास में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, 84 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक एवं कन्या छात्रावास जनकपुर, बलंगी, सुलसुली, चलगली, कोगवार, बरतीकला, वाड्रफनगर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, 06.23 लाख रुपये की लागत से बालक आश्रम रघुनाथनगर में किचन शेड का निर्माण कार्य तथा 06.23 लाख रुपये की लागत से प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास में किचन शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन/शिलान्यास करेंगे।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज 22 जनवरी को

नई दिल्ली,13 जनवरी 2025। भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज इस वक्त चर्चा में है। पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव को फिर से सौंपी गई है। इंग्लैंड ने तो पहले ही स्क्वाड की घोषणा कर दी थी। सीरीज का पहला मुकाबला 22 जनवरी को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस के मैदान पर होगा। भारतीय टीम में ज्यादातर युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। बीसीसीआई की कोशिश नई टीम बनाने की है। सीरीज का पहला मैच अब करीब आ रहा है।

भारत और इंग्लैंड की टीमें होंगे आमने-सामने

सूर्यकुमार यादव एक बार फिर टीम इंडिया की कमान इंग्लैंड के खिलाफ संभालते हुए नजर आएंगे। टीम का ऐलान बीसीसीआई ने कर दिया है। वैसे तो टी20 सीरीज के बाद वनडे सीरीज भी होगी, लेकिन अभी केवल टी20 इंटरनेशनल मैचों के लिए ही टीम की घोषणा की गई है। भारत और इंग्लैंड की टीम लंबे समय बाद आपसी सीरीज में हिस्सा लेती हुई नजर आएंगी। जल्द ही इंग्लैंड की टीम भारत आने वाली है। हालांकि बीसीसीआई ने पिछली सीरीज के बाद काफी बदलाव कर दिए हैं। ऐसे में टीम काफी नई सी दिख रही है।

स्टार स्पोर्ट्स और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख सकेंगे लाइव

इस बीच अगर मैच के लाइव टेलीकास्ट की बात की जाए तो इस सीरीज के राइट्स स्टार स्पोर्ट्स के पास हैं। इसलिए अगर आप अपने टीवी पर लाइव मैच देखना चाहते हैं तो उसके लिए आपको स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर जाना होगा, वहीं अगर आपको मोबाइल पर ही मैच देखना है तो फिर आप डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मैच का आनंद घर बैठे ले सकते हैं। हालांकि डीडी फ्री डिश पर भी मैच को लाइव दिखाया जाएगा। जहां भी आपको आसान लगे, वहां मैच देख सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की टी 20 टीमः जॉस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

आत्मविश्वास से लबरेज एफसी गोवा गुवाहाटी में एनईयूएफसी से भिड़ेगा

गुवाहाटी,13 जनवरी 2025। एफसी गोवा मंगलवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से भिड़ेगा।

आईएसएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, एफसी गोवा लीग में अपने अपराजित रिकॉर्ड को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखेगा, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी गौर के खिलाफ अपने मजबूत घरेलू फॉर्म को बरकरार रखना चाहेगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी अपने पिछले चार लीग मैचों (डब्ल्यू2 डी2) में अपराजित रही है, इस दौरान उसने नौ गोल किए हैं जबकि सिर्फ तीन गोल खाए हैं। इस बीच, एफसी गोवा घर से बाहर सात मैचों की अपराजित रन (डब्ल्यू4 डी3) पर है, जो प्रतियोगिता के इतिहास में उसका सबसे लंबा ऐसा क्रम है।

वीनोर्टजे, एनगिडी की वापसी से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मजबूत टीम की घोषणा की

जोहान्सबर्ग,13 जनवरी 2025। दक्षिण अफ्रीका ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली ICC चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे और लुंगी एनगिडी की जोड़ी टेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम में वापस आ गई है।

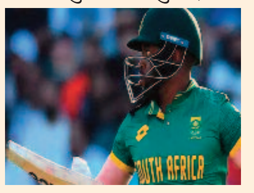

पिछले साल के पुरुष टी20 विश्व कप में उपविजेता और आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में फाइनलिस्ट, टीम दो तेज गेंदबाजों की वापसी से मजबूत हुई है। इस टूर्नामेंट से नोर्टजे की वनडे क्रिकेट में वापसी होगी, जो सितंबर 2023 के बाद से 50 ओवर के प्रारूप में उनकी पहली उपस्थिति है। स्टार पेसर अपनी पीठ में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हो गए थे, जिससे उन्हें आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 और दक्षिण अफ्रीका के घरेलू समर से बाहर होना पड़ा। आईसीसी के अनुसार, अक्टूबर 2024 से कमर की चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहने वाले एनगिडी की भी वापसी हुई है।

1998 की चैंपियन टीम ने किया स्क्वॉयड का ऐलान

» धाकड़ गेंदबाजों की टीम में वापसी

इस्लामाबाद,13 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में अभी 1 महीने से ज्यादा का वक्त बचा हुआ है। ऐसे में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें अपने स्क्वॉड का ऐलान कर रही हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें से 5 टीमों के स्क्वॉड का ऐलान 12 जनवरी की सुबह तक हो चुका था और अब छठी टीम का स्क्वॉड सामने आ गया है। ये टीम है साउथ अफ्रीका जिसने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। टीम का कप्तान टेम्बा बावुमा को बनाया गया है लेकिन तेज गेंदबाज गेराल्ड कोट्जी चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना सके।

साउथ अफ्रीका के व्हाइट-बॉल हेड कोच रॉब वाल्टर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन 19 फरवरी से 09 मार्च तक पाकिस्तान और दुबई में होगा। टूर्नामेंट में टेम्बा बावुमा टीम की कमान संभालेंगे। इस टीम में 10 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो 2023 वर्ल्ड कप में खेले थे। इस वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

धाकड़ गेंदबाजों की टीम में वापसी

चोट के कारण पूरा घरेलू अंतरराष्ट्रीय सीजन मिस करने वाले तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया और लुंगी एनगिडी को साउथ अफ्रीका की वनडे टीम में चुना गया है। नॉर्खिया पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण बाहर लंबे समय के लिए टीम से बाहर थे, जबकि लुंगी एंगिडी को कमर में चोट लगी थी। वियान मुल्डर, टोनी डी जोर्जी और रयान रिकलेटन पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट खेलेंगे। साउथ अफ्रीका को चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी में रखा गया है और वह 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद वे 25 फरवरी को रावलपिंडी में ऑस्ट्रेलिया से खेलेंगे और उनका अंतिम ग्रूप स्टेज मैच 1 मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ होगा। ग्रुप ए और बी में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

पाकिस्तान डिफेंडिंग चैंपियन

2025 चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी और पाकिस्तान और यूएई में खेली जाएगी। यह 2017 के बाद पहली बार है जब टूर्नामेंट खेला जा रहा है और पाकिस्तान ट्रॉफी डिफेंडिंग चैंपियन है। बता दें, साल 1998 में पहली बार खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब साउथ अफ्रीका ने जीता था और अब टीम के पास दूसरा खिताब जीतने का शानदार मौका होगा।

वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले अमेरिका से हार गई न्यूजीलैंड की टीम

हो गया बड़ा उलटफेर

ऑकलैंड,13 जनवरी 2025। वर्ल्ड कप खेलना किसी भी देश के लिए बड़ी बात होती है। क्रिकेट में दो लेवल पर वर्ल्ड कप खेले जाते है। सीनियर और अंडर 19 वर्ल्ड कप। इसी बीच महिलाओं के अंडर 19 टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन किया जाना है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 18 जनवरी को खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले वॉर्मअप मैचों का आयोजन किया जा रहा है। जहां अमेरिका की अंडर 19 महिला टीम ने न्यूजीलैंड की अंडर 19 महिला टीम को हरा दिया है। न्यूजीलैंड की अंडर 19 महिला टीम और अमेरिका की अंडर 19 महिला टीम के बीच खेले गए मुकाबले के बारे में बात करें तो, इस मुकाबले में अमेरिका की अंडर 19 महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 120 रन बनाए। इस दौरान अमेरिका के लिए रितु सिंह ने सर्वाधिक 36 रनों की पारी खेली। इसके अलावा चेतना रेड्डी 24 रन और अनिका कोलन ने 20 रनों की पारी खेली।

शानदार फॉर्म में है यूएसए की टीम

न्यूजीलैंड की अंडर 19 की महिला टीम को जीत के लिए इस मुकाबले में 121 रनों का टारगेट मिला था। जिसे उनकी टीम चेज नहीं कर सकी और वे 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 107 रन ही बना सके। अमेरिका ने इसी के साथ इस मुकाबले को 13 रनों से अपने नाम कर लिया। अमेरिका की ओर से हन्ना फ्रांसिस और ताश वेकलिन ने तीन-तीन विकेट झटके। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले अमेरिका की अंडर 19 महिला टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। उन्होंने 8 जनवरी को साउथ अफ्रीका को भी एक मुकाबले में हराया था। ऐसे में टूर्नामेंट में कोई भी टीम उन्हें हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी।

महिला अंडर 19 टी20 वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका की टीम

अनिका रेड्डी कोलन (कप्तान), अदितिबा चुडासमा (उप कप्तान), चेतना रेड्डी पगद्यला, चेतना जी प्रसाद, दिशा ढींगरा, इसानी महेश वाघेला, लेखा हनुमंत शेट्टी, माही माधवन, निखार पिंकू दोशी, पूजा गणेश, पूजा शाह, रितु प्रिया सिंह, सानवी इम्मादी, साशा वल्लभानेनी, सुहानी थडानी

आईपीएल में नहीं मिला भाव,सस्ती लीग में मौका

» अब इस टीम के लिए खेलेगा चैंपियन खिलाड़ी

इस्लामाबाद,13 जनवरी 2025। दुनियाभर के खिलाड़ियों की चाहत होती है कि वे आईपीएल में खेलें। हालांकि वे चुनिंदा खिलाड़ी ही होते हैं, जिन्हें ये मौका मिलता है। कितने ही खिलाड़ी आईपीएल के बड़े स्टार हो जाते हैं, लेकिन फिर एक वक्त ऐसा आता है, जब उनकी डिमांड कम हो जाती है। तब उन्हें छोटी और सस्ती लीग भी सुहाने लगती हैं। ऐसा ही कुछ हाल आईपीएल चैंपियन खिलाड़ी डेविड वार्नर के साथ होता हुआ दिख रहा है। डेविड वार्नर को आईपीएल नीलामी में कोई भाव नहीं मिला था, इसलिए अब वे पीएसएल यानी पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए दिखाई देंगे। हालांकि उन्हें आईपीएल की तुलना में काफी कम रकम मिलेगी।

करांची किंग्स के लिए खेलेंगे डेविड वार्नर

आज पाकिस्तान सुपर लीग के लिए ड्राफ्ट किया जा रहा है। पीएसएस में आईपीएल की तरह खिलाड़ियों की नीलामी नहीं होती है, उनका सिस्टम ही दूसरा है। इसमें जब डेविड वार्नर का नाम पुकारा गया तो उन्हें कराची किंग्स की टीम ने अपने पाले में कर लिया। ये पहली बार हो रहा है कि डेविड वार्नर पीएसएल में खेलेंगे। ये पाकिस्तान सुपर लीग का दसवां संस्करण होगा। बताया जा रहा है कि डेविड वार्नर को पीएसएल में खेलने के लिए करीब 2.3 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो आईपीएल की तुलना में काफी कम हैं।

आईपीएल में कई गुना ज्यादा सैलरी पाते थे डेविड वार्नर

डेविड वार्नर ने साल 2014 में पहली बार आईपीएल खेला था, तब सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 5.50 करोड़ रुपये देकर अपने साथ किया था। ये सिलसिला साल 2017 तक जारी रहा। साल 2018 का आईपीएल मिल करने के बाद जब 2019 में उनकी वापसी हुई तो एसआरएच ने उन्हें 12.50 करोड़ रुपये देने का फैसला किया। ये बात और है कि इसके बाद वे ना केवल टीम की कप्तानी से हटाए गए, बल्कि टीम की प्लेइंग इलेवन से भी बाहर हो गए। साल 2022 में जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें अपने साथ किया तो वहां भी उन्हें 6.25 करोड़ रुपये मिले। इस बार की नीलामी में किसी भी टीम ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई और वे अनसोल्ड चले गए।

राणा दग्गुबातीने नागबंधम से रुद्र के रूप में विराट कर्ण का लुक जारी किया

अभिनेता राणा दग्गुबाती ने सोमवार को निर्देशक अभिषेक नामा की बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म 'नागबंधम' से युवा नायक विराट कर्ण का रुद्र के रूप में बहुप्रतीक्षित प्री-लुक जारी किया। पहले लुक के पोस्टर में विराट कर्ण को एक आकर्षक और दमदार लुक में दिखाया गया है, जिसमें घुंघराले बाल, दाढ़ी और सुडौल शरीर है। शर्टलेस मुद्रा में उनके सिक्स-पैक एब्स दिख रहे हैं। एक्शन से भरपूर पोस्टर में कर्ण को एक साहसी अवतार में

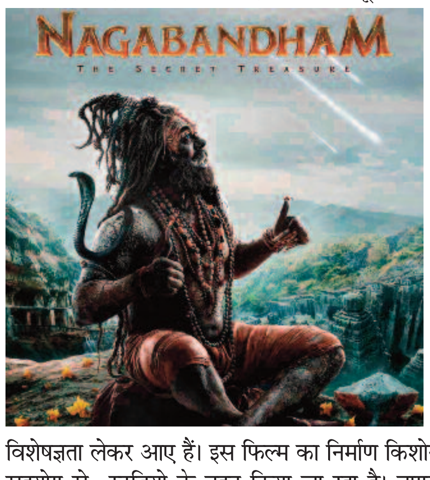

दिखाया गया है, जो समुद्र में एक खतरनाक मगरमच्छ से निडरता से लड़ रहा है। अपने नंगे हाथों और रस्सी से मगरमच्छ का मुंह पकड़े हुए, रुद्र का साहसी स्वभाव और अथक ताकत स्पष्ट है। निर्माताओं का दावा है कि नागबंधम एक महाकाव्य साहसिक फिल्म बनने जा रही है। इसकी टैगलाइन, द सीक्रेट ट्रेजर, आगे की रोमांचक यात्रा की ओर इशारा करती है, जिसने रोमांच को और बढ़ा दिया है। निर्देशक अभिषेक नामा भी कहानी और पटकथा दोनों में अपनी दृष्टि और विशेषज्ञता लेकर आए हैं। इस फिल्म का निर्माण किशोर अन्नापुरेड्डी द्वारा अभिषेक पिक्चर्स के सहयोग से स्टूडियो के तहत किया जा रहा है। नागबंधम एक आगामी अखिल भारतीय महाकाव्य है जो आध्यात्मिक रहस्यवाद को रोमांचकारी रोमांच के साथ जोड़ता है, जिसमें नाभा नटेश और ईश्वर्या मेनन जैसे प्रभावशाली कलाकार मुख्य महिला भूमिका में हैं, और जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बी.एस. अविनाश सहायक भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों के छिपे रहस्यों की खोज करती है, विशेष रूप से नागबंधम की पवित्र प्रथा पर ध्यान केंद्रित करती है। पद्मनाभस्वामी और पुरी जगन्नाथ जैसे मंदिरों में हाल ही में खजाने की खोज से प्रेरित होकर, कहानी इन दिव्य स्थानों और उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए रहस्यमय अनुष्ठानों के इर्द-गिर्द आकर्षक पौराणिक कथाओं में गोता लगाती है। फिल्म इन सदियों पुराने रहस्यों को एक नए, आधुनिक कथानक के साथ जीवंत करती है। अभिषेक नामा और प्रतिभाशाली तकनीशियनों की टीम के हाथों में फिल्म अच्छी तरह से आकार ले रही है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सौंदर राजन एस ने की है, जबकि अभे ने संगीत दिया है। फिल्म के संवाद कल्याण चक्रवर्ती ने लिखे हैं और अशोक कुमार ने कला निर्देशन विभाग की कमान संभाली है। नागबंधम की शूटिंग चल रही है और फिल्म 2025 में तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

मेला निर्देशक ने ऐश्वर्या राय की जगह ट्विंकल खन्ना को क्यों किया था फिल्म में कास्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन 2000 की फिल्म मेला के लिए पहली पसंद थीं, जिसमें आमिर खान के साथ मुख्य भूमिका में ट्विंकल खन्ना थीं। फिल्म की 25 वीं वर्षगांठ पर, निर्देशक धर्मेश दर्शन ने खुलासा किया कि ऐश्वर्या को क्यों किनारे होना पड़ा, जिसके कारण ट्विंकल को कास्ट किया गया।बॉलीवुड हंगामा के साथ एक साक्षात्कार में, दर्शन ने ऐश्वर्या के बारे में अफवाहों की पुष्टि की कि वह उनकी पहली पसंद थीं। उन्होंने समझाया वह थीं। राजा हिंदुस्तानी (1996) में मेमसाब की भूमिका के लिए भी वह मेरी पहली पसंद थीं। मेरा दिल उन पर था। लेकिन उन्हें तुरंत मिस वर्ल्ड के लिए जाना था। मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था क्योंकि मैं एक ऐसी अभिनेत्री चाहता था जो अपना पूरा समय फिल्म और बॉलीवुड को दे सके। यह उनकी शान थी कि उन्होंने इसे अपने दिल में नहीं रखा।हालांकि वह मुख्य भूमिका में नहीं आ सकीं, लेकिन ऐश्वर्या ने आमिर के भाई फैसल के साथ फिल्म में कैमियो किया। दर्शन ने उनके पेशेवर अंदाज को याद करते हुए कहा, ÷उनके स्तर की एक

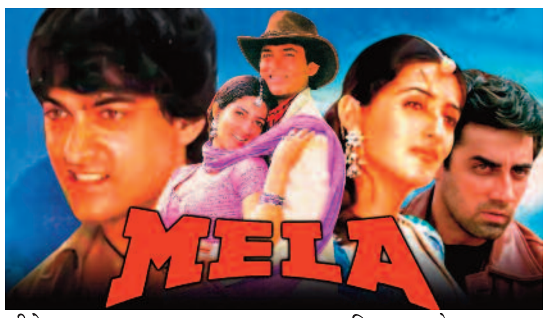

हीरोइन शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान के साथ काम कर चुकी थी- आप नाम बताइए। फिर भी, वह सहमत हो गई और उस सीन को शूट करने के लिए कुछ घंटे गाड़ी चलाकर गई। अपने कास्टिंग निर्णय पर विचार करते हुए, दर्शन ने खुलासा किया कि फिल्म की रिलीज के कई साल बाद भी, उनसे अक्सर ट्विंकल खन्ना को इतनी प्रमुख भूमिका के लिए चुनने के बारे में सवाल किया जाता है। ÷मैं ऐसी महिलाओं से मिला हूँ जिन्होंने मुझसे कहा है, 'क्या, सर? आपने ऐश्वर्या को कैमियो दिया और ट्विंकल खन्ना को इतना बड़ा रोल दिया। दर्शन ने मेला के संगीत के बारे में एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा यह ट्रैक 'चोरी चोरी हम गोरी से' हॉलीवुड ने द गुरु (2002) के लिए खरीदा था। वास्तव में, मैं एकमात्र बॉलीवुड निर्देशक हूँ जिसके तीन गाने हॉलीवुड ने खरीदे हैं। राजा हिंदुस्तानी के 'परदेसी परदेसी' और 'पुचो ज़रा पुचो' को क्रमशः वी फॉर वेंडेट्टा (2005) और होली स्मोक (1999) के साउंडट्रैक में शामिल किया गया था।ट्विंकल खन्ना ने अपनी आखिरी फिल्म लव के लिए कुछ भी करेगा (2001) के बाद अभिनय छोड़ दिया। बाद में उन्होंने खुद को एक लेखक के रूप में फिर से स्थापित किया, 2015 में अपनी पहली किताब के साथ शुरुआत की। 2023 में,उन्होंने अपनी नवीनतम पुस्तक, वेलकम टू पैराडाइज़ लॉन्च की।

मोगैंबो को पहले ही हो गयी थी अपनी मौत का आशंका

हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन और खूंखार विलेन की जब भी बात होती है तो सबसे पहले लोगों के जेहन में नाम आता है दिग्गज और दिवंगत अमरीश पुरी का। पुरी साहब के जैसे दूसरा विलेन बॉलीवुड के इतिहास में अब तक कोई और नहीं हुआ है। उन्होंने अपनी मौजूदगी से हीरो तक के होश उड़ा दिया करते थे। अमरीश पुरी अपनी रौबदार आवाज, लंबी चौड़ी कद-काठी और गजब की अदाकारी से हर किसी का दिल जीत लिया करते थे। ऐसा कहा जाता है कि उनको अपनी मौत का एहसास पहले ही हो गया था। उनके बेटे राजीव पुरी ने एक इंटरव्यू के दौरान पिता के आखिर दिनों की दास्तां सुनाई थी। अमरीश पुरी को इस घटना के बाद अपनी मौत का आभास हो गया था। राजीव के मुताबिक धीरे-धीरे पिता को खून की कमी बनने लगी थी। राजीव ने कहा कि, पापा बुरी तरह घबरा गए थे। लेकिन वह दृढ़ इच्छा शक्ति वाले थे। वह दुनिया को दिखाना चाहते थे कि कितने स्ट्रॉन्ग हैं। पापा अच्छी तरह जानते थे कि 72 साल की उम्र के पड़ाव पर अब उनके शरीर में सबकुछ ठीक नहीं हो सकता। पापा का कहना था कि जो होना होगा, वो होगा।उन्होंने हिंदी के अलावा कन्नड़, पंजाबी, मलयालम, तेलुगू और तमिल फिल्मों तथा हॉलीवुड फिल्म में भी काम किया। उन्होंने अपने पूरे करियर में 400 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया। अमरीश पुरी के अभिनय से सजी कुछ मशहूर फिल्मों में निशांत, गांधी, कुली, नगीना, राम लखन, त्रिदेव, फूल और कांटे, विश्वात्मा, दामिनी, करण अर्जुन, कोयला आदि शामिल हैं। दर्शक उनकी खलनायक वाली भूमिकाओं को देखने के लिए बेहद उत्साहित होते थे। उनके जीवन की अंतिम फिल्े म किसना थी जो उनके निधन के बाद वर्ष 2005 में रिलीज हुई। उन्होंने कई विदेशी फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने इंटरनेशनल फिल्म गांधी में खान की भूमिका निभाई थी जिसके लिए उनकी खूब तारीफ हुई थी। अमरीश पुरी का 12 जनवरी 2005 को 72 वर्ष के उम्र में ब्रेन ट्यूमर की वजह से उनका निधन हो गया। उनके अचानक हुए इस निधन से बॉलीवुड जगत के साथ-साथ पूरा देश शोक में डूब गया था। आज अमरीश पुरी इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनकी यादें आज भी फिल्मों के माध्यम से हमारे दिल में बसी हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम साय ने मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में मकर संक्रांति, पोंगल और लोहड़ी पर्व जैसे कई अलग-अलग नाम से मनाया जाता हैं। दक्षिण भारत में मनाया जाने वाला पोंगल समृद्धि का प्रतीक है।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में देवेंद्र यादव को नहीं मिली राहत

रायपुर,13 जनवरी 2025 (ए)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में गिरफ्तार कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आज रिमांड अवधि समाप्त होने पर उन्हें अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया।

प्रोफेसर का हमलावर गिरफ्तार

- » जिस केस में भूपेश बघेल के बेटे से हुई थी पूछताछ उसका मास्टर माइंड अरेस्ट
- » भिलाई प्रोफेसर मारपीट मामला
- » मुख्य आरोपी आंध्र प्रदेश से अरेस्ट
- » पुलिस ने घोषित किया था इनाम
- » भूपेश बघेल से बेटे से हुई थी पूछताछ

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई-3 में प्रोफेसर विनोद शर्मा पर हमला के मुख्य आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आरोपी प्रोबीर शर्मा को पुलिस ने आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा से अरेस्ट किया है। वह यहां अपनी डॉक्टर पत्नी के साथ छिपकर रह रहा था। पुलिस ने आरोपी की पत्नी को भी फरारी में उसकी मदद देने के आरोप में अरेस्ट किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। प्रोफेसर से मारपीट मामले में पुलिस ने पूर्व सीएम के बेटे और बेटी से भी पूछताछ की थी।

चैतन्य बघेल से हुई थी पूछताछ

पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल और बेटी दीप्ति से इस मामले में पूछताछ की है। पुलिस ने चैतन्य बघेल से थाने में 4 घंटे तक बंद कमरे में पूछताछ भी की थी। इस दौरान पुलिस ने चैतन्य बघेल का फोन भी जब्त किया था। पुलिस ने दीप्ति बघेल का भी फोन जब्त कर लिया था।

मामले में पूर्व सीएम के बेटे का नाम आने के बाद पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था। इस दौरान पुलिस ने करीब 20 सवाल किए थे। बयान दर्ज कराने के बाद चैतन्य बघेल ने कहा था कि मैंने पुलिस की जांच में सहयोग किया है। मुझसे जो सवाल पूछे गए थे मैंने उसका जवाब दे दिया है। वहीं, भूपेश बघेल की बेटी को भी थाने बुलाकर पुलिस ने पूछताछ की थी। इस मामले में बीजेपी ने भूपेश बघेल पर हमला भी बोला था।

पूर्व सीएम के बच्चों से क्यों हुई थी पूछताछ

दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने बताया था कि मारपीट के मामले की प्रारंभिक जांच में आरोपी के साथ चैतन्य बघेल के संबंधों के बारे में जानकारी मिली थी। इस आधार पर उन्हें अपना बयान दर्ज कराने के लिए थाने बुलाया गया था। भिलाई पुलिस थाने में चैतन्य बघेल से पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने जांच के लिए चैतन्य बघेल का फोन जब्त कर लिया था।

क्या है मामला?

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक सरकारी कॉलेज के प्रोफेसर पर जानलेवा हमला हुआ था। मामला जुलाई 2024 का है। प्रोफेसर को 6 युवकों ने लाठी-डंडों से पीटा था। उसके बाद प्रोफेसर को मरा समझ छोड़कर भाग गए थे। शर्मा पर हमला तब किया गया, जब वह पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र से अपने घर जा रहे थे।

सीएम साय ने किया बड़ा ऐलान

अब 15 हजार के मासिक वेतन वालों को भी मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

दंतेवाड़ा,13 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आज बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा और कोण्डागांव जिले के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के लिए 160 करोड़ 53 लाख रुपए की विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने आवास प्लस योजना 2024 को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि मार्च के बाद फिर से सरकार 4 लाख नए प्रधान मंत्री आवास बनाकर देगी। अब तक केवल 10 हजार रुपए मासिक वेतन (अधिकतम) वालों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलता था लेकिन इस साल 2025 में सरकार आवास प्लस योजना लाने वाली है, जिसमें 15 हजार रुपए मासिक वेतन पाने वालों को भी इस योजना का लाभ मिल सकेगा। इतना ही नहीं, इस योजना के तहत जिसके पास बाइक है, 2.5 एकड़ सिंचित जमीन और 5 एकड़ असिंचित जमीन है, उन्हें भी अब प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिलेगा. इसका सर्वे काम चालू हो गया है। इस देश में कोई भी बिना घर के नहीं रहेगा, सबका पक्का घर होगा। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना सर्वे खुद कर सकेंगे। भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने एक ऐप तैयार किया है. उस ऐप में आधार कार्ड के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भर सकते हैं. इससे पात्र आवेदनकर्ता अपना सर्वे रिपोर्ट देख सकेंगे।

इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि आज दंतेवाड़ा जिले के लिए बड़ा सौभाग्य का दिन है, कि आज 160 करोड़ 53 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन वन मंत्री केदार कश्यप, कई जनप्रतिधि, अधिकारियों और संगठन के लोगों की उपस्थिति में समपन्न हुआ है. निश्चित रूप से इससे जिले को लाभ मिलेगा।

बीएड शिक्षकों के मुद्दे को विपक्ष ने उठाया

- » प्रियंका ने कहा- देश के युवाओं की दुर्दशा का उदाहरण
- » तो भूपेश ने लिखा छत्तीसगढ़ के युवा सड़कों पर दंडवत

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। नौकरी से निकाल दिए गए बीएड शिक्षक लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आज इन शिक्षकों ने रायपुर में हनुमान मंदिर माना बस्ती से शादाणी दरबार तक दंडवत प्रणाम कर अपनी सेवा सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अपनी नौकरी बचाने को लेकर बीएड शिक्षकों द्वारा किये जा रहे इस दंडवत प्रदर्शन को टैग कर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा है कि ÷छत्तीसगढ़ का यह वीडियो देश के युवाओं की दुर्दशा का एक छोटा सा उदाहरण है। प्रदेश में 33 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और 1 लाख नौकरी देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने 3 हजार शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया। ये लड़कियां नौकरी की गुहार लगाते हुए इस कड़ाके की ठंड में सड़क पर लेटकर विरोध जता रही हैं। आज उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ समेत हर राज्य के युवा भाजपा के भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा ने पूरे देश के युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है।

भूपेश ने कहा युवाओं की दुर्दशा और सरकार की संवेदनहीनता का सबूत

इस आंदोलन पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर निशाना साधा है.उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर लिखा किज्यह दृश्य देखकर बेहद कष्ट हो रहा है। युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के दिन छत्तीसगढ़ के युवा सड़कों पर दंडवत होकर सरकार से निवेदन हेतु अनुनय यात्रा निकाल रहे हैं, लेकिन यह संवेदनहीन और निर्लज्ज सरकार करोड़ों खर्च कर ÷युवा महोत्सव÷ मनाने का ढोंग कर रही है। इन युवाओं को इस निर्लज्ज सरकार ने नए साल में शिक्षक की नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया है। यदि सरकार चाहे तो इन्हें दूसरे पदों पर समायोजित किया जा सकता है। हम सब छत्तीसगढ़वासी अपने युवाओं के साथ हैं। फ़ाइव स्टार आयोजनों में मस्त सरकार को समय आने पर करारा जवाब देंगे।

आंदोलन को एक माह पूरा,जैन समिति की पहली बैठक भी नहीं

बर्खास्त किए गए बीएड शिक्षकों के आंदोलन को एक माह पूरा हो गया है। और समायोजन की उनकी मांग पर विचार करने मुख्य सचिव की समिति के गठन को भी एक सप्ताह से अधिक हो गए हैं, लेकिन समिति की अब तक एक भी बैठक नहीं हुई है। इस बीच मुख्य सचिव 21 जनवरी तक अवकाश पर चले गए हैं। ऐसे में उनकी वापसी तक बैठक होने की संभावना नहीं है।

अन्य शिक्षक संगठन भी कर रहे हैं प्रदर्शन

बीएड शिक्षकों की दंडवत प्रणाम यात्रा के बीच स्वामी आत्मानंद स्कूल संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव के नेतृत्व में नियमितीकरण व वेतन विसंगति की मांग के लिए धरना दिया गया। आंदोलनकारियों की सभा को कर्मचारी नेता विजय कुमार झा एवं छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फैडरेशन के संयोजक गोपाल प्रसाद साहू ने संबोधित कर उनकी मांगों का समर्थन किय। आत्मानंद स्कूल संविदा शिक्षक संघ के पूरे प्रदेश से उपस्थित हजारों शिक्षकों ने रिक्त पदों पर निमित्तिकरण व संविदा समाप्त कर वेतन विसंगति में सुधार की मांग की। इस मौके पर विजय झा ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए भाजपा के आश्वासन व नरेंद्र मोदी की दी गारंटी के विपरीत रोजगार से वंचित करना अनुचित व अमान्य है। वहीं गोपाल साहू ने आत्मानंद स्कूल संविदा शिक्षकों को अपना समर्थन देते हुए मूल संविदा अनियमित महासंघ से जुड़ने की अपील की।

छत्तीसगढ़ की दो बेटियां पीएम मोदी से करेंगी संवाद

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की दो होनहार छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद का विशेष अवसर मिला है। किरन्दुल (दंतेवाड़ा) की कु. स्नेहा मेश्राम और सलकापतराटोवी (सरगुजा) की कु. गुनगुन गुप्ता इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। छात्राओं ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है और हमें इस अवसर पर प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। नोडल अधिकारी वन्दना शर्मा ने कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि छत्तीसगढ़ से दो छात्राओं का चयन किया गया है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत प्रेरणादायक होगा। इस अवसर पर, छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री ने भी छात्राओं को बधाई दी ।

कैबिनेट के फैसले पर पीसीसीएफ भारी

पदोन्नति की मिल गई मंजूरी मगर वन विभाग के 5 अफसर अब भी कर रहे इंतजार, एक हो चुके हैं रिटायर

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में ब्यूरोक्रेसी के सत्तापक्ष पर हावी होने की अफवाहें अक्सर उड़ती रहती हैं, मगर आये दिन ऐसे मामले सामने आते हैं, जिससे यह बात सही प्रतीत होने लगती है। अब ताजा मामले को देखिये। छह माह पूर्व वन विभाग के 5 अफसरों को पदोन्नति देने का फैसला छत्तीसगढ़ कैबिनेट की बैठक में कर दिया गया। बावजूद इसके इन अफसरों को अब तह पदोन्नति नहीं दी गई है और इसकी फाइल यहां से वहां घूम रही है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर का अस्थियां बिखरी मिलीं

विसर्जन से पहले टूटा मिला कलश

बीजापुर,13 जनवरी 2025 (ए)। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में लगातार कार्रवाई चल रही है। इस बीच, इससे जुड़ा नया मामला सामने आया है। दरअसल, मुकेश की अस्थियों का आज यानी 13 जनवरी को कलेश्वरम में विसर्जन होना था। परिजन जब मुक्तिधाम में अस्थि कलश लेने पहुंचे तो वो वहां नहीं था। आस-पास खोजा तो कुछ दूरी पर अस्थि कलश फूटा मिला और अस्थियां बिखरी हुई थी।

अस्थियों के साथ छेड़छाड़ के मामले में परिजनों ने बीजापुर एसपी से शिकायत की है। सड़क गड़बड़ी के मामले को पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने उजागर किया था। इसके बाद ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उसके भाई रितेश, दिनेश और सुपरवाइजर महेंद्र रामटेके ने पत्रकार की हत्या करवा दी थी। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद ठेकेदार के बाड़े में सर्चिंग करने के बाद मुकेश के शव को बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इस घटना के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने के बाद अस्थियों को एक घड़े में रखकर उसे मुक्तिधाम के ही पेड़ में डाल से बांध दिया था। सोमवार को जब परिजन अस्थियों को लेने के लिए पहुंचे तो देखा कि दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अस्थियों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। निर्धारित स्थल से 50 मीटर दूर घड़े को तोड़कर अस्थियां जमीन में फेंक दी गईं। मुकेश की अस्थियों से भरे कलश को तोड़कर मैदान में बिखेर दिए जाने से परिजनों व पत्रकारों में विरोध शुरू हो गया। परिजनों के मुताबिक मुकेश की अस्थियों को कलेश्वरम में विसर्जन किया जाना था, जिसके लिए मुक्तिधाम के पास जब अस्थि कलश लेने पहुंचे तो अस्थि कलश गायब था। वहीं, उसकी खोजबीन करने पर 50 मीटर दूरी पर कलश टूटी और अस्थियां बिखरी पड़ी थी। मामले को लेकर दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ के साथ ही बस्तर जिला पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने बीजापुर एसपी से शिकायत की है।

जसगीत कार्यक्रम में हुआ बलवा

एक युवक गंभीर रूप से घायल

भिलाई,13 जनवरी 2025 (ए)। स्मृति नगर चौकी अंतर्गत जसगीत कार्यक्रम में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक युवक ने दूसरे सिर में हाथ में पहने कड़े से कई वार किए जिससे उसका सिर फट गया। पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। स्मृति नगर चौकी से मिली जानकारी के मुताबिक मारपीट की घटना खमरिया क्षेत्र में हुई है। वहां रविवार रात जसगीत का कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें एक युवक आया और अपने हाथ में पहने लोहे के कड़े को उतार कर दूसरे युवक गोविंद के सिर में कई वार किया। इससे उसके सिर में कई गहरी चोट आई। गोविंद खून से लतपथ होकर वहीं गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने स्मृति नगर पुलिस को फोन किया और गोविंद को लेकर सुपेला अस्पताल पहुंचे। वहां उसकी गंभीर स्थिति को देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

किसी महिला को नहीं बोला उटपटांग शब्द

- » श्रम मंत्री लखनलाल ने वायरल वीडियो मामले पर दी सफाई

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए) । कोरबा में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के आरोपों पर छत्तीसगढ़ के श्रम एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने सफाई दी है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में मंत्री पर महिलाओं के प्रति अपमानजनक शब्द कहने का आरोप लगा है। मंत्री ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। लखनलाल देवांगन ने कहा कि फ्लोरमैक्स कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने उनके रास्ते को बाधित कर दिया था। इस स्थिति में उन्होंने केवल प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसपी को निर्देश दिया था। उन्होंने दावा किया कि किसी भी महिला से अपशब्द कहने या दुर्व्यवहार का उनका कोई इरादा नहीं था। मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ लोग इस घटना को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

आरक्षक भर्ती गड़बड़ी में शामिल एक और पुलिस कर्मी गिरफ्तार

नई भर्ती प्रक्रिया खैरागढ़ में करने की तैयारी

राजनांदगांव,13 जनवरी 2025(ए) । आरक्षक भर्ती में हुई धांधली के मामले में एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस विभाग में बतौर आरक्षक पदस्थ इस आरोपी की फिजिकल टेस्ट प्रक्रिया में ड्यूटी लगाई गई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। राजनांदगांव पुलिस ने इस मामले में पूर्व में 7 पुलिस कर्मी, 05 टेक्निशियन टीम, 2 महिला अभ्यर्थी सहित अब तक कुल 15 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक भर्ती में शामिल उम्मीदवारों का गैर कानूनी तरीके से नंबर बढ़ाने के काम में लिप्त आरक्षक पवन चौरे को गिरफ्तार किया गया है।

सीआरपीएफ ने माओवादियों के नापाक मंसूबों पर फेरा पानी

4 किग्रा की आईईडी बरामद कर किया नष्ट

बीजापुर,13 जनवरी 2025(ए)। सुरक्षा बलों को एक बार फिर माओवादियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरने में कामयाबी मिली है। जवानों ने थाना पामेड़ क्षेत्र के काउरगुटटा जंगल क्षेत्र से 4 किग्रा की आईईडी बरामद की, जिसे सूझबूझ और सतर्कता से नष्ट किया गया।

जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा कैंप काउरगुटटा से सीआरपीएफ 151 की टीम एरिया डॉमिनेशन एवं डिमाईनिंग ड्यूटी पर निकली थी। ड्यूटी के दौरान 151 सीआरपीएफ की बीडी टीम ने काउरगुटटा जिड़पल्ली के मध्य रोड से माओवादियों द्वारा लगाए गए 4 किग्रा का आईईडी बरामद किया। आईईडी को सीआरपीएफ 151 की बीडी टीम ने मौके पर ही सुरक्षित नष्ट किया. माओवादियों ने पुलिस पार्टी को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाए थे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने की 19 सदस्यीय प्रांतीय टीम की घोषणा

सौरभ सिंह बनाए गए संयोजक

रायपुर,13 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए भाजपा ने 19 सदस्यीय प्रांतीय टीम की घोषणा कर दी हैद्ध इस टीम के संयोजक सौरभ सिंह को बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष मा. किरण सिंह देव और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति के बाद इस टीम की घोषणा की गई है।

इन्हें बनाया गया सदस्य:

सौरभ सिंह संयोजक,भरत लाल वर्मा,जगन्नाथ पाणिग्राही,राजा पांडेय,अखिलेश सोनी,नीलकण्ठ टेकाम,निरंजन सिन्हा,ललित चन्द्राकर,शालिनी राजपूत,आशाराम नेताम,अलका चन्द्राकर,सतीश लाटिया,रामकुमार भट्ट,दीपक म्हस्के,डॉ. किरण बघेल,वैभव बैस,अनुराग अग्रवाल,सुनील पिल्लई,आकाश विग,जगठीश रोहय.

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)